RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्ष: 7 , अंक:15 , बुधवार, 25 फरवरी 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बीजधरी थाना क्षेत्र के सीएसपी लूटकांड में एक अभियुक्त गिरफ्तार 03

छह दिवसीय बाल विवाह मुक्त अभियान शुरू, अधिकारियों ने दी कड़ी चेतावनी 04

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स की अगली भव्य फीचर... 07

जल्द सुलझ जाएगा असम-अरुणाचल सीमा विवाद

- उठाया गया बड़ा कदम, दोनों राज्यों के बीच पहला सीमा स्तंभ स्थापित

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच पहले सीमा स्तंभ (पिलर) की स्थापना को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। हिमंत ने कहा कि स्पष्ट सीमाएं तेज विकास, बेहतर कानून-व्यवस्था और दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय का मार्ग प्रशस्त करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि असम सभी अंतर-राज्यीय मुद्दों को सौहार्द्रपूर्ण ढंग से हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा नेएक्स पर पोस्ट में कहा कि नामसाई घोषणा पर

हस्ताक्षर के बाद अरुणाचल प्रदेश के पक्के केसांग जिले में पहला सीमा स्तंभ स्थापित किया गया है। यह दोनों राज्यों के बीच लंबित विवादों को संवाद और सहयोग के माध्यम से हल करने की साझा प्रतिबद्धता दर्शाता है। सीमा स्तंभ की स्थापना असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सहयोग और विश्वास का प्रतीक है। यह कदम उन सीमावर्ती गांवों में स्थायी शांति और प्रशासनिक निश्चितता लाएगा, जो कई दशकों से अस्पष्टता से प्रभावित थे। इससे पहले असम और अरुणाचल ने नामसाई घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे। हिमंत ने कहा कि इस समझौते में स्थानीय समुदायों की भलाई को प्राथमिकता दी गई है।

एआई समिट हंगामा चार दिन की हिरासत में उदय भानु

- पुलिस ने किया गिरफ्तार, बोली- प्रेसीडेंट ही मास्टरमाइंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें सुबह तिलक मार्ग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी और आरोप लगाया कि चिब ही

घटना के मास्टरमाइंड हैं। प्रदर्शनकारी उनके निर्देश पर भारत मंडपम में आयोजित समिट में घुसे थे। चिब ने ही उनको लॉजिस्टिक हेल्प की थी। इधर एआई समिट मामले की जांच दिल्ली पुलिस की इंटर-स्टेट क्राइम ब्रांच टीम को सौंपी गई। चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने लिखा कि चिब की गिरफ्तारी असंवैधानिक और तानाशाह नरेंद्र मोदी की सनक का नतीजा है। राहुल ने लिखा कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' साथियों पर गर्व, जिन्होंने निडर होकर देश के हित में आवाज उठाई।

● शंकराचार्य को गिरफ्तारी का डर, हाईकोर्ट में लगाई याचिका

बोले-प्रयागराज में अजय पाल साजिश रच रहे, सारा सिस्टम मेरे खिलाफ है

वाराणसी (एजेंसी)। बच्चों से यौन शोषण मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। उन्हें डर है कि प्रयागराज पुलिस उनकी गिरफ्तारी कर सकती है। 21 फरवरी को एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रयागराज पुलिस ने जांच तेज कर दी। कल यानी सोमवार को पुलिस की एक टीम वाराणसी पहुंची। टीम ने स्थानीय पुलिस से शंकराचार्य और उनके करीबियों की जानकारी जुटाई। सूत्रों के मुताबिक, प्रयागराज पुलिस आज शंकराचार्य से पूछताछ करने उनके आश्रम पहुंच सकती है। गिरफ्तारी भी कर सकती है। इसी आशंका को देखते हुए शंकराचार्य ने वकील के जरिए हाईकोर्ट का रुख किया है। इधर, मंगलवार को शंकराचार्य ने वाराणसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रयागराज के एडिशनल पुलिस कमिश्नर अजय पाल शर्मा पर साजिश रचने का आरोप लगाया। मोबाइल पर अजय पाल शर्मा और आशुतोष महाराज की एक तस्वीर भी दिखाई। इसमें अजय पाल शर्मा केक काटते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि आशुतोष महाराज उनके बगल में खड़े हैं।

शंकराचार्य ने कहा- इनका नाम अजय पाल शर्मा है। इस समय इनके अधीन ही जांच चल रही है। एक हिस्ट्रीशीटर के साथ पुलिस का बड़ा अफसर बर्थडे सेलिब्रेशन कर रहा है। मेरे खिलाफ सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से किया गया। पूरे सिस्टम को मेरे खिलाफ इसलिए लगाया गया है, ताकि मैं गो-रक्षा अभियान से पीछे हट जाऊं, लेकिन यह संभव नहीं है। प्रयागराज माघ मेले में 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य और प्रशासन के बीच विवाद हुआ। इसके 8 दिन बाद यानी 24 जनवरी को जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष महाराज ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। शिकायत में माघ मेला-2026 और महाकुंभ-2025 के दौरान बच्चों से यौन शोषण के आरोप लगाए। पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए 8 फरवरी को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट का रुख किया।

18 साल होने पर बेटियों को मिलेगा 1.50 लाख रुपए

छग सरकार की बड़ी घोषणा, लड़कियों के लिए दुर्गावती योजना

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मंगलवार को विधानसभा में छत्तीसगढ़ का बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,72,000 करोड़ का अनुमानित बजट पेश किया गया। बजट में महिलाओं को लेकर बड़ी घोषणा की गई है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जन्म लेने वाली बेटियों को लेकर बड़ी घोषणा की है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बजट में रानी दुर्गावती योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत बच्चियों को 1.50 लाख रुपये देने का प्रावधान किया गया है। यह राशि बच्चियों के 18 साल की उम्र पूरी होने पर दी जाएगी। घर में बच्ची का जन्म होने के बाद ही उसका रजिस्ट्रेशन होगा। हालांकि भी योजना की विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। बजट में महिलाओं के लिए कई बड़ी घोषणाएं की गई है। महतारी वंदन योजना के लिए राशि बढ़ाई गई है। इस योजना के लिए 8200 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है। राज्य में लखपति दीदी की संख्या बढ़ाने की घोषणा की गई है।

अपने भाइयों को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नुकसान भी ठीक

● संघ प्रमुख बोले-उन्होंने दो हजार सालों तक भेदभाव सहा, फिर भी देश के साथ गद्दारी नहीं की ● ऐसे लोगों को आरक्षण 200 साल भी देना पड़े तो समाज को तैयार रहना चाहिए

देहरादून (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज के एक हिस्से ने करीब दो हजार साल तक छुआछूत और भेदभाव सहा, लेकिन फिर भी उसने देश के साथ कभी विश्वासघात नहीं किया। उन्होंने कहा, ऐसे लोगों को बराबरी का हक दिलाने के लिए अगर दो सौ साल तक भी आरक्षण देना पड़े, तो समाज को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। अगर अपने ही भाइयों को आगे बढ़ाने के लिए हमें कुछ नुकसान भी सहना पड़े, तो भी हमें पीछे नहीं हटना चाहिए। आरएसएस प्रमुख सोमवार को उत्तराखंड के देहरादून में हिमालयन कल्चरल सेंटर में आयोजित प्रमुखजन गोष्ठी में पूर्व सैनिकों और अधिकारियों के साथ संवाद कर रहे थे। इस दौरान भागवत ने कहा कि भारत में रहने वाले सभी लोगों के पूर्वज एक हैं और उनकी रगों में एक ही खून बहता है। हिंदू बनने के लिए

कुछ छोड़ना नहीं पड़ता, देश के प्रति निष्ठा ही पर्याप्त है और आज जिनका विरोध है, उन्हें भी कल जोड़ना है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मजबूत नेतृत्व, उच्च सैन्य तैयारी और निरंतर प्रशिक्षण अनिवार्य हैं। अग्निवीर योजना एक प्रयोग है। अनुभवों के आधार पर इसकी समीक्षा की जानी चाहिए और आवश्यकता हो तो सुधार एवं परिमार्जन पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि सेना की क्षमता, अनुशासन और दीर्घकालिक मजबूती बनी रहे। राष्ट्र के भाग्य निर्माण में समाज की केंद्रीय भूमिका होती है। समाज मजबूत और संगठित होगा तो राष्ट्र की रक्षा भी सशक्त होगी। समाज का सामूहिक सामर्थ्य नागरिकों को बल देता है और नेतृत्व को प्रभावी बनाता है, इसलिए नेतृत्व का चरित्रवान और अनुशासित होना आवश्यक है। भागवत ने कहा क्रांतिकारी आंदोलनों तक स्वतंत्रता की ज्योति कभी बुझी नहीं।

पीएम को राहुल का चैलेंज

इंडिया-यूएस डील रद्द करें

● कहा-प्रधानमंत्री मोदी को एपस्टीन और अडाणी का है डर

भोपाल (एजेंसी)। किसान महाचौपाल को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। राहुल गांधी ने कहा कि चीनी टैंक भारतीय सीमा में घुस रही थी लेकिन प्रधानमंत्री आर्मी को छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका का समझौता चार महीने से रुका हुआ था। यह कृषि के मामले पर रुका था। अमेरिका की बड़ी कंपनियां अपना कृषि उत्पाद यहां बेचना चाहती थी। राहुल गांधी ने कहा कि मेरे भाषण खत्म होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा से गए। वह बिना अपने कैबिनेट से पूछे ट्रंप को फोन लगाया है। ट्रंप ने ट्वीट किया कि हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री ने मुझे कॉल किया है। उन्होंने कह दिया कि यूएस-इंडिया डील को साइन करने के लिए मैं तैयार हूं।

● अनिल अंबानी के साथ क्या रिश्ता- वहीं, राहुल गांधी ने कहा कि अनिल अंबानी मेरा दोस्त नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनिल अंबानी का रिश्ता क्या है। उस फाइल में अनिल अंबानी और हरदीप पुरी का नाम है। उन्होंने कहा कि दूसरा कारण अदाणी है। यह कोई मामूली कंपनी नहीं है। यह उनका पूरा फाइनेंसियल स्ट्रक्चर है। दूसरी धमकी है कि अदाणी पर क्रिमिनल केस दर्ज है। वह अमेरिका और यूरोप में नहीं जा सकते हैं। उन्हें पकड़कर अंदर डाल देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका लक्ष्य अदाणी नहीं, नरेंद्र मोदी हैं। मैं मोदी को चैलेंज करता हूं कि वह डील रद्द करके दिखाएं।

सुनेत्रा पवार की जगह बेटे पार्थ जाएंगे राज्यसभा

- आधी रात लगी मुहर, 26 फरवरी को होगी बैठक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सात राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव से पहले राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। महायुति की सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने इस संबंध में अपने उम्मीदवार को लेकर बड़ा फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार,सोमवार की रात प्रफुल्ल पटेल के आवास पर पार्टी की कोर कमेटी की हुई बैठक में पार्थ पवार को राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाने पर सहमति बनी है। इस अहम बैठक मुंबई में प्रफुल्ल पटेल के अलावा उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि बैठक में केवल राज्यसभा उम्मीदवार ही नहीं, बल्कि पार्टी की आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। 26 फरवरी को होने वाली इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर मुहर लग सकती है, जहां सुनेत्रा पवार का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। यह बैठक मुंबई के वर्ली डोम में आयोजित होने की संभावना है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी भी अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

कैबिनेट ने केरल का नाम 'केरलम' करने की मंजूरी दी

सेवातीर्थ में पहली बैठक, पीएमओ 10 दिन पहले ही यहां शिफ्ट हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इस दौरान यूनियन कैबिनेट ने मंगलवार को केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के मुताबिक यह कदम अप्रैल-मई में होने वाले केरल विधानसभा चुनावों से पहले उठाया गया है।

यूनियन कैबिनेट की पिछली बैठक 13 फरवरी को पीएमओ के साउथ ब्लॉक वाले ऑफिस में हुई थी। इसके बाद पीएमओ को नए ऑफिस में शिफ्ट कर दिया गया था। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें हैं।

● नॉर्थ-साउथ ब्लॉक बनेंगे नेशनल म्यूजियम- सरकार की योजना है कि नॉर्थ-साउथ ब्लॉक की ऐतिहासिक इमारतों को 'युगे-युगेन भारत नेशनल म्यूजियम' में बदला जाएगा। इसे विश्वस्तरीय म्यूजियम के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां भारत की सभ्यता को दिखाया जाएगा। इसमें करीब 25 से 30 हजार कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह दुनिया के सबसे बड़े म्यूजियम में से एक होने की संभावना है।

● 26/11 जैसे हमले का है प्लान, सैफुल्लाह कसूरी ने खाई कसम

पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड ने फिर दी धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी आतंकवादी सैफुल्लाह कसूरी के एक नये वीडियो से पता चलता है कि वो समुद्र के रास्ते भारत पर आतंकी हमला करने की योजना बना रहा है।

सैफुल्लाह कसूरी उन लोगों में शामिल है जिन्हें पहलगाम में हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। वो कुख्यात आतंकवादी हाफिज सईद के संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मोस्ट वांटेड आतंकी है। उसने 2008 के मुंबई हमले की याद दिलाते हुए एक चेतावनी दी है जिसमें उसने कहा है कि समुद्री रास्ते से भारत में फिर से 26/11 जैसा हमला किया जाएगा। उसने चेतावनी देते हुए कहा है कि 2026 में समुद्री रास्ते से होगा। रिपोर्ट के मुताबिक सैफुल्लाह कसूरी कह रहा है कि जमीन, हवा या समुद्र में दुश्मन के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। वह इस आतंकी हमले को अल्लाह की मर्जी बताता है और कसम खाता है कि पाकिस्तान जल्द ही सभी स्ट्रेटेजिक डोमेन पर कंट्रोल कर लेगा। खुफिया सूत्रों से यह जानकारी मिली है। शीर्ष खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया है कि ये बयान 26/11 मुंबई हमलों जैसे समुद्री हमले की पहले से चेतावनी हैं, जिन्हें 2008 में लश्कर ने रचा था और अरब सागर के रास्ते अंजाम दिया था। पहलगाम आतंकी हमले में कसूरी सीधे तौर पर शामिल था जिसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। जिसमें आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 10 लोग मारे गये थे।

कसूरी को पाकिस्तान की सेना का है साथ

वीडियो में कसूरी खुलेआम कह रहा है कि उसे पाकिस्तान की सेना का साथ हासिल है। पाकिस्तानी सेना के तालमेल के साथ वो काम कर रहा है। जिससे एक बार फिर से साबित होता है कि पाकिस्तानी आतंकी और पाकिस्तानी सेना एक ही साथ काम करते हैं। शीर्ष खुफिया सूत्रों के हवाले से ये धमकियां पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क के फिर से इकट्ठा होने का इशारा है। वहीं सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स का मानना है कि वीडियो का मकसद ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी आतंकियों में फैले खौफ के बीच गुर्गों का हौंसला बढ़ाना है। हालांकि भारत अब अरब सागर के चप्पे चप्पे पर चौकसी रखता है और 26/11 जैसे हमले करना मुश्किल है।

बेटे ने की पिता की हत्या, शव के टुकड़े नीले ड्रम में छिपाए

वजह-पापा डॉक्टर बनाना चाहते, बेटे को लखनऊ में होटल खोलना था

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में वर्धमान पैथोलॉजी लैब के मालिक मानवेंद्र सिंह की उनके 21 साल के इकलौते बेटे अक्षत ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को आरी से काटकर टुकड़े नीले ड्रम में भर दिए। सिर को काटकर कार में रखा और घर से 21 किलोमीटर दूर फेंक आया। अक्षत ने अपनी बहन के सामने घटना को अंजाम दिया। उसे धमकी दी कि किसी को बताया तो उसे भी मार डालेगा। पिता का सिर फेंकने के बाद आरोपी घर लौटा और कार की सफाई की। तीन दिन बाद सोमवार को वह थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तो बेटा घबराया नजर आया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, तब उसने जुर्म कुबूल कर लिया। पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची और शव के टुकड़े बरामद किए, लेकिन सिर नहीं मिला। आरोपी ने सिर को दूर ले जाकर फेंका था।

● बहन को धमकाया-जान से मार डालूंगा - आरोपी बेटे के मुताबिक, 20 फरवरी को सुबह 4.30 बजे उसने लाइसेंसी राइफल से पिता को गोली मारी। उस वक्त बहन भी मौजूद थी। बहन ने चिल्लाने की कोशिश की तो उसे धमकाया। कहा- अगर तुमने किसी से घटना के बारे में बताया तो जान से मार डालूंगा। इसके बाद उसके घर से बाहर नहीं निकलने दिया। आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने का प्लान बनाया। पिता की लाश को तीसरे फ्लोर से ग्राउंड फ्लोर पर लाकर खाली कमरे में रखा। फिर बाजार से आरी खरीदकर लाया।

संक्षिप्त समाचार

खाली हाथ राजस्थान से लौटी पटना पुलिस

पटना। पटना सिविल कोर्ट को लगातार बम से उड़ने की धमकी देने के मामले में पीरबहोर थाने की पुलिस चेन्नई, राजस्थान के जैसलमेर और उसके पास के सटे जिलों में छापेमारी कर के लौट आई है। धमकी देने वाले का कोई ट्रेस नहीं मिल पाया है। यहां तक कि किस एप या दूसरे अन्य प्लेटफार्म के जरिए धमकी दी गई थी, इसके बारे में भी पता नहीं लग पाया है। धमकी मिलने के बाद पीरबहोर और एटीएस में कैसे रजिस्टर्ड हुआ था। इसके बाद पटना पुलिस की ओर से एक टीम गठित की गई थी। जिसमें SI रैंक के दो पदाधिकारी थाने से दूसरे राज्यों में धमकी देने वाले के बारे में पता लगाने गए थे। पटना सिविल कोर्ट को लगातार बम से उड़ने की धमकी मिलने के बाद अब पुलिस रोज सुबह के वक्त कोर्ट में सर्च कर रही है। सुबह 7:00 से लेकर कोर्ट खुलने से पहले तक पूरे परिसर को सेनीटाइज कर दिया जा रहा है। यह कदम एहतियातन बराबर मिल रही धमकी के बाद उठाया गया है। टीम चेन्नई और जयपुर जा चुकी है। 2 दिन चेन्नई और 3 दिन जयपुर में पुलिस ने सस्पेक्टेड की खाक छानी। लेकिन कंक्लुजन नहीं निकल पाया। यहां 3 से 4 सस्पेक्ट से पूछताछ भी की गई। जिन लोगों से पूछताछ हुई, वह वैसे थे, जो संबंधित आईपी एड्रेस की लोकेशन में आए थे। लेकिन सत्यापन के दौरान थ्रेट से संबंधित एविडेंस नहीं मिले।

क्या अक्षय कुमार के साथ काम करेंगी अक्षरा सिंह, एक्टर के साथ तस्वीर शेयर की, लिखा- बड़ा सरप्राइज मिलेगा

पटना। भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वो अपने गानों और तस्वीरों के लेकर अक्सर लाइमलाइट में रहती हैं। अक्षरा एक बार फिर चर्चा में हैं और इस बार वजह काफी खास है। अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार के साथ एक फोटो साझा की है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है। कैप्शन को पढ़कर फैन्स यह कयास लगाने में जुटे हैं कि अक्षरा सिंह और अक्षय कुमार की कोई नहीं फिल्म आने वाले है। अक्षरा सिंह इस तस्वीर में ब्लू कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। जबकि, अक्षय कुमार ग्रीन शर्ट में हैं और कैप लगा रखी है। एक्ट्रेस ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, 'जब खिलाड़ी की मुलाकात मृगनयनी से हो और, कहानी अभी बाकी है। बड़ा सरप्राइज लोड हो रहा है।' इस पोस्ट में अक्षरा ने अक्षय कुमार को भी टैग किया है। अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर यूजर्स लगातार कमेंट कर रहे हैं। कुछ यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि शायद दोनों किसी फिल्म में काम करने वाले हैं। जबकि कुछ यूजर्स ने कहना है कि किसी नए गाने में इनकी जोड़ी देखने को मिले सकती है? अन्य यूजर ने लिखा है, 'कुछ तो पक रहा है'। दूसरे यूजर्स ने लिका कि- अक्षय कुमार फिट आदमी हैं। एक यूजर ने लिखा- तुम बॉलीवुड जाओ।

महावीर मंदिर प्रांगण में हिंदू सम्मेलन संपन्न, पटना में राष्ट्र की मजबूती के लिए 'पंच परिवर्तन' पर हुआ मंथन

पटना। पटना के महावीर मंदिर के ऐतिहासिक प्रांगण में आयोजित हिंदू सम्मेलन अत्यंत गौरवमयी और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में राष्ट्र की मजबूती के लिए 'पंच परिवर्तन' के विचार को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष बल दिया गया। वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्यों के पालन और स्वदेशी अपनाने को समय की आवश्यकता बताया। विचार-मंथन के दौरान प्रबुद्ध वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक समरसता के माध्यम से ही समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त किया जा सकता है। पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया। कुटुंब प्रबोधन के जरिए परिवार संस्था को संस्कारवान और सुदृढ़ बनाने पर भी जोर दिया गया, ताकि आने वाली पीढ़ी नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण हो। साथ ही नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजगता लाकर अनुशासित और सशक्त राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया गया। आर्थिक स्वावलंबन के लिए स्वदेशी को जीवन का आधार बनाने की अपील भी की गई। सम्मेलन में स्वामी सीताराम सरन की पावन उपस्थिति रही। उन्होंने अपने आशीर्वचनों में समाज को संगठित और संस्कारित बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ अधिकारी अनिल ठाकुर ने सांगठनिक दृष्टिकोण साझा किया। वहीं मंदिर के सचिव सायन कुणाल ने मंदिर की सामाजिक सक्रियता और सेवा कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में नवल गुप्ता सहित समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। उपस्थित जनसमूह ने 'पंच परिवर्तन' के संकल्प को अपने जीवन में उतारने का सामूहिक प्रण लिया।

धनबाद-भोपाल और चोपन-भोपाल के लिए 2 नई ट्रेनें, सप्ताह में 3 और 1 दिन होगा परिचालन

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर धनबाद और भोपाल तथा चोपन और भोपाल के बीच दो नई ट्रेन सेवाओं का परिचालन शुरू किया जा रहा है। इनमें से एक ट्रेन धनबाद और भोपाल के बीच सप्ताह में तीन दिन चलेगी, जबकि दूसरी ट्रेन चोपन और भोपाल के बीच साप्ताहिक रूप से संचालित होगी। इन दोनों नई ट्रेनों में कुल 22 एलएचबी कोच होंगे, जिनमें 01 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 06 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 07 शयनयान श्रेणी और 04 साधारण श्रेणी के कोच शामिल हैं। धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस बोकारो थर्मल, रांची रोड, टोरी, डालटनगंज, गढ़वा, चोपन और सिंगरौली के रास्ते चलेगी। गाड़ी संख्या 11631/11632 भोपाल-धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) का नियमित परिचालन भोपाल से 27 फरवरी 2026 से प्रत्येक शुक्रवार, सोमवार और गुरुवार को शुरू होगा। वहीं, धनबाद से यह ट्रेन 01 मार्च 2026 से प्रत्येक रविवार, बुधवार और शनिवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 11631 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस भोपाल से रात 08:55 बजे रवाना होगी और बीना, दमोह, कटनी मुरवाड़ा के रास्ते अगले दिन सुबह 08:45 बजे सिंगरौली, 10:20 बजे चोपन, 11:20 बजे रेणुकूट, 12:35 बजे गढ़वा, 01:20 बजे डालटनगंज, 02:52 बजे टोरी, 05:05 बजे रांची रोड सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए रात 08:20 बजे धनबाद पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस धनबाद से सुबह 07:20 बजे चलकर सुबह 09:45 बजे रांची रोड, 11:20 बजे टोरी, 12:46 बजे डालटनगंज, 01:35 बजे गढ़वा, 03:08 बजे रेणुकूट, 04:05 बजे चोपन, 06:50 बजे सिंगरौली सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन सुबह 07:00 बजे भोपाल पहुंचेगी।

'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म का विरोध, प्रदर्शनकारियों ने पोस्टर जलाए, रिलीज पर रोक लगाने की मांग

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर के गांधी चौक पर सोमवार की देर शाम हिन्दू समाज के सैकड़ों लोगों ने आगामी फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' के खिलाब जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने फिल्म के पोस्टर को जलाते हुए नारेबाजी की ओर फिल्म के निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। इस फिल्म के 27 फरवरी को रिलीज होने की संभावना है, जिसे लेकर समाज के लोगों में भारी रोष है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फिल्म के निर्माता संदीप ने जानबूझकर यह फिल्म यादव समाज की अस्मिता पर सीधा हमला करने के लिए बनाई है। इस मौके पर खिलवत पंचायत के पूर्व मुखिया संजीव कुमार सिंह ने कहा, "यह फिल्म हमारी सामाजिक छवि को धूमिल करने वाली है। हम सवाल उठाते हैं कि सेंसर बोर्ड ने आखिर कैसे इस फिल्म को मंजूरी दे दी।" उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर यह फिल्म रिलीज हुई, तो इसका विरोध पूरे देश में उग्र रूप ले लेगा और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को अंजाम भुगतना पड़ेगा। वहीं जिला परिषद प्रतिनिधि राजा यादव ने कहा कि इस तरह की फिल्में समाज को बिगाड़ने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, "आज यादव जी पर लव स्टोरी बनाई जा रही है, तो कल किसी अन्य जाति पर भी ऐसी फिल्म बन सकती है। यह एक खतरनाक परंपरा है।" उन्होंने केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप कर इस फिल्म को रिलीज होने से रोकने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान राजा यादव ने बिहार के सभी सिनेमाघर मालिकों से अपील की कि वे इस फिल्म को अपने सिनेमाघरों में न लगाएं। उन्होंने कहा, "अगर फिल्म नहीं रोकी गई तो हम लोग जल्द ही मशाल जुलूस निकालकर और मुख्यालय पर धरना देकर इसका जमकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। हमारा सीधा सवाल फिल्म के निर्माता संदीप से है कि वे इस फिल्म को जल्द से जल्द रोकें।"

पटना में लाइब्रेरियन कैंडिडेट्स का प्रदर्शन, सड़क पर लेटे

एजेंसी, पटना

बिहार में लाइब्रेरियन बहाली की प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर कैंडिडेट्स सड़क पर उतर गए हैं। ऑल बिहार ट्रेंड लाइब्रेरियन एसोसिएशन की ओर से पटना में आक्रोश मार्च निकाला है। मार्च की शुरुआत पटना विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी से हुई है, जो करगिल चौक तक पहुंच गया है। यहां कैंडिडेट्स विरोध जताते हुए पहले सड़क पर बैठे, फिर तकिया लगाकर वही लेट गए। अभ्यर्थी शंखनाद कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री हाय-हाय के नारे लगा रहे हैं। इधर, शांति व्यवस्था के लिए करगिल चौक पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। फोर्स के साथ वाटर कैनन भी बुला लिया गया है।

- करगिल चौक पर बैरिकेडिंग, वाटर कैनन के साथ फोर्स तैनात, 10 हजार पद खाली

एग्जाम डेट नहीं निकला तो आंदोलन तेज होगा: एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार ने बहाली की नियमावली तो जारी कर दी, लेकिन अब तक लाइब्रेरी पात्रता परीक्षा की तिथि घोषित नहीं की गई है। पटना जिला अध्यक्ष हर्षित राज ने बताया कि यह मार्च सरकार तक अभ्यर्थियों की मांग पहुंचाने का प्रयास है। यदि जल्द परीक्षा तिथि घोषित नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

10 हजार से अधिक पद खाली: बिहार में लाइब्रेरियन के करीब 10 हजार पद खाली हैं। इनमें प्लस टू स्कूलों से लेकर कॉलेज और विश्वविद्यालयों तक के पद शामिल हैं। पद खाली रहने के कारण लाइब्रेरी व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कई जगहों पर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ही कार्य संभाल रहे हैं।

छात्रसंघ चुनाव: एबीवीपी अध्यक्ष पद की उम्मीदवार पहुंची साइबर सेल

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में ABVP से अध्यक्ष पद की उम्मीदवार अनुष्का ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि मैंने आज साइबर थाने में आकर शिकायत दर्ज की है, क्योंकि मेरे फेसबुक, इंस्टाग्राम और तमाम सोशल मीडिया पर अश्लील और गंदे फोटो वीडियो भेजे जा रहे हैं। मेरे हौसले को तोड़ने का काम किया जा रहा है। कुछ विशेष धर्म के लोग यह काम कर रहे हैं। मुझे प्रशासन द्वारा आश्वासन दिया गया है कि इस पर कार्रवाई होगी और जो ऐसा काम कर रहे हैं, उस पर स्ट्रिक्ट एक्शन लिया जाएगा। मेरे साथ गलत करने और गोली मरवाने की भी धमकी दी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे छात्र संगठन के लोग भी मुझे टारगेट करके ऐसा मैसेज भेज रहे हैं, क्योंकि मैं एक लड़की होकर छात्र संघ चुनाव में खड़ी हुई हूं। ऐसे फोटो वीडियो भेजकर मेरे हौसले को तोड़कर दबाने का कोशिश किया जा रहा है। इन सारी चीजों से मैं डरने वाली नहीं हूं। यह समस्या सिर्फ मेरे साथ ही नहीं है, बल्कि पटना यूनिवर्सिटी के कई छात्राओं ने मुझसे यह शिकायत की है। वो समाज की प्रतिष्ठा और घर के मर्यादा को देखते हुए कोई शिकायत नहीं करती हैं।

- अनुष्का बोलीं- मुझे गोली मारने की धमकी दी जा रही, अश्लील और गंदे फोटो-वीडियो भेजे जा रहे

कल उनका एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें वो रोते हुए दिख रही थी। उन्होंने बताया कि उनके चरित्र को लेकर बातें बनाई जा रही है। कैरेक्टर को लेकर टैग किया जा रहा है। लोग उनके चरित्र पर उंगली उठा रहे हैं। प्रतिद्वंदी पोस्टर फाड़ रहे हैं। अनुष्का ने पिता के बिना घर संभाला, पढ़ाई पूरी की, पत्रकारिता का सपना जिया और आज पटना यूनिवर्सिटी में अध्यक्ष पद के लिए खड़ी है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का बिहार दौरा

एजेंसी, पटना

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज एक दिवसीय बिहार दौरे पर हैं। वे दिल्ली से सीधे दरभंगा पहुंचें, वहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी की मां के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुई हुए और श्रद्धांजलि अर्पित की। दरभंगा कार्यक्रम के बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सीधे पटना पहुंचेंगे। यहां वे भाजपा नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

- दरभंगा में श्रद्धांजलि सभा के बाद पटना में करेंगे बैठक, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद

बैठक में बिहार में चल रही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की समीक्षा, संगठनात्मक मजबूती, सदस्यता विस्तार और आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक पटना प्रवास के दौरान नितिन नवीन कुछ व्यक्तिगत कार्यक्रमों में भी शामिल हो सकते हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अलग से संवाद करेंगे।

सीएम नीतीश भी जाएंगे दरभंगा: संजय सरावगी की माता के निधन के बाद भाजपा में शोक का माहौल है। इसी क्रम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रहेगी। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, मंत्री दिलीप जायसवाल सहित राज्य सरकार के कई मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

सिक्योरिटी कम करने पर बोले पप्पू यादव, एक जाति विशेष के लिए इतनी नफरत क्यों?

एजेंसी, पटना

पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने अपनी सुरक्षा में कमी करने पर बिहार सरकार और गृह मंत्री सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर तंज कसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरी गिरफ्तारी और सुरक्षा में कटौती अहंकार और बदले की भावना का परिणाम है। जब पहली बार लॉरेंस से जुड़े खतरे की चर्चा सामने आई थी, तब सरकार ने सुरक्षा बढ़ाई थी और y प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। कुछ दिनों बाद बिना स्पष्ट कारण बताए सुरक्षा घटा दी गई। आखिर किस आधार पर मेरी सुरक्षा कम की गई ? लिखित आदेश क्यों नहीं दिया गया ? कई बार डीजीपी को फोन करने के बावजूद कॉल नहीं उठाया गया। एक सांसद का फोन तक नहीं उठाया गया, यह अपमान है। इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। सांसद ने सम्राट चौधरी से अपील करते हुए कहा कि वे जाति विशेष के प्रति नफरत और बदले की भावना से ऊपर उठें। राजनीति अटल और नेहरू जी जैसी होनी चाहिए, जहां मतभेद हो सकते हैं लेकिन मनभेद नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे बिहार में सरकार के निशाने पर सिर्फ पप्पू यादव हैं। विपक्ष भी समझौता कर चुका है, लेकिन मैं नहीं करूंगा।

विधानसभा में अमर्यादित भाषा: सांसद ने आरोप लगाया कि विधानसभा में मेरे बारे में भ्रामक और अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया गया। नेताओं से मर्यादा की उम्मीद होती है, लेकिन यहां अमर्यादा दिखाई दे रही है। बंदर के हाथ में नारियल वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। उन्होंने कहा कि मेरी गिरफ्तारी भी सरकार के अहंकार का परिणाम था। आपने दिखा दिया कि आप ताकतवर हैं, लेकिन लोकतंत्र में ताकत जनता की होती है।

नीट, मानव तस्करी और अपराध पर सवाल: पप्पू यादव ने नीट प्रकरण और राज्य में कथित रूप से बढ़ते अपराध का मुद्दा उठाया। उन्होंने दावा किया कि भागलपुर से सासाराम तक मानव तस्करी और बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं। चार साल, छह साल, ढाई साल की बच्चियों के साथ बलात्कार हो रहा है। हर दिन एक दर्जन बच्चियों के साथ दुष्कर्म हो रहा है। नालायक सरकार, इससे कुछ नहीं होगा। यह मेरी सुरक्षा वापस ले सकते, मुझे डरा सकते किसी को न्याय नहीं दिल सकते है। अगर नेताओं के घर में किसी बहन बेटी के साथ बलात्कार होगा तब क्या होगा। बिहार बहुत गंदी राजनीति करने की जगह, यहां राजनीति बहुत गंदी है। नीट मामले में डॉक्टर सतीश की गिरफ्तारी होनी चाहिए।

स्वामी मुक्तेश्वरानंद के समर्थन में उतरे पप्पू: पप्पू यादव ने भाजपा और कुछ धार्मिक संतों को लेकर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, भाजपा की बात क्या कहूं, राम रहीम उनके लिए संत हैं, वे राजनीतिक सत्ता के अनुसार उनका उपयोग करते हैं। आशाराम बापू जैसे मामलों में भी राजनीति दिखाई देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूजीसी जैसे मुद्दों पर बाबाओं के बीच बंटवारा हो गया। किसी ने कहा मैं जान दे दूंगा, किसी ने कहा मैं मर जाऊंगा। यह कैसी धार्मिक एकजुटता है ? पप्पू यादव ने आगे कहा कि कई ऐसे बाबा हैं जिन्हें सत्ता का संरक्षण है और उनकी पकड़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह तक बताई जाती है।

अमित शाह का बिहार में 3 दिवसीय दौरा

एजेंसी, पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 फरवरी से तीन दिवसीय बिहार दौरे पर रहेंगे। 25, 26 और 27 फरवरी तक चलने वाले इस दौरे में उनका मुख्य फोकस राज्य के सीमावर्ती जिलों किशनगंज और अररिया पर रहेगा।

बिहार सरकार के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि गृह मंत्री कई अहम बैठकों और कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वहीं, सदन के बाहर विधायक मिथिलेश तिवारी ने कहा कि गृह मंत्री देश की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं। वो बिहार आ रहे हैं, उनके टॉप प्रायोरिटी में बिहार है। यहां आते हैं, घुसपैठियों पर बात होती है, एक्शन प्लान बनता है, कई मुद्दों पर बातचीत होती है। सरकारी कर्मचारियों को पूरी तरह से सक्रिय किया जाता है।

- विधायक बोले- गृह मंत्री की टॉप प्रायोरिटी है बिहार, सीमावर्ती सुरक्षा पर करेंगे हाई-लेवल समीक्षा

स्थानीय प्रशासन और केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल: किशनगंज और अररिया, दोनों जिले अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं। ऐसे में गृह मंत्री का यह दौरा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम की जमीनी समीक्षा: गृह मंत्री सीमावर्ती गांवों में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की प्रगति का भी जायजा लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों और बुनियादी ढांचे का विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देना है।

स्थानीय लोगों के रोजगार और जीवन स्तर में सुधार: सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्री कुछ चयनित गांवों का दौरा कर स्थानीय लोगों से सीधे संवाद भी कर सकते हैं, ताकि योजना के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। गृह मंत्री का यह तीन दिवसीय बिहार दौरा सुरक्षा, विकास और सीमावर्ती क्षेत्रों के सशक्तिकरण के लिहाज से निर्णायक साबित हो सकता है। सीमावर्ती जिलों पर केंद्रित यह दौरा केवल सुरक्षा समीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास और जनसंपर्क के दृष्टिकोण से भी अहम है।

पटना में 17 जगहों पर लगेंगे नए ट्रैफिक सिग्नल, कैमरे और सेंसर से होंगे लैस

एजेंसी, पटना

पटना में ट्रैफिक व्यवस्था को स्मार्ट बनाने के लिए शहर में 17 नए स्थानों पर ऑटोमेटिक ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे। ये सभी नए सिग्नल मॉडर्न कैमरों और सेंसर से लैस होंगे। अब शहर में ट्रैफिक सिग्नलों की संख्या 28 से बढ़कर 45 हो जाएगी। हाल ही में पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगी थी। इसके बाद स्मार्ट सिटी ने शहर के 25 चौराहों का सर्वे कराया, जिनमें से 17 जगहों को सिग्नल के लिए सही पाया गया, जबकि 8 जगहों पर तकनीकी दिक्कतों के कारण सिग्नल नहीं लग सकेंगे।

इन 17 जगहों पर लगेंगे नए सिग्नल: ये सभी नए सिग्नल इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जुड़ेंगे, जिससे ट्रैफिक की रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव होगा। सर्वे के अनुसार मीठापुर न्यू बाइपास, मलाही पकड़ी पुल के नीचे, करबिगहिया पेट्रोल पंप, मुन्ना चौक, डीपीएस मोड़, गोला रोड, रूपसपुर पुल (दोनों ओर), आरा गार्डन मोड़, अंबेडकर पथ, त्रिभुवन मोड़, आयुक्त कार्यालय मोड़, स्वामी नंदन तिराहा, गौरिया टोली, जीपीओ पुल के नीचे, डंका इमली गोलंबर, एनआइटी मोड़ और आर ब्लॉक के नीचे सिग्नल लगाए जाएंगे।

आरपीएस मोड़ पर मेट्रो के काम के कारण नहीं लगेगा सिग्नल: वहीं, इस सर्वे में 8 स्थानों को रिजेक्ट कर दिया गया है। आरपीएस मोड़ पर मेट्रो का काम चलने के कारण अभी सिग्नल नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा जीपीओ के ऊपर पुल होने और चिल्ड्रेन पार्क के पास तकनीकी दिक्कत के कारण सिग्नल नहीं लगेंगे। वहीं, अगमकुआं आरओबी, पूरब दरवाजा, चौक थाना, विसंभरपुर और बिहटा चौक में सड़कें संकरी होने या निर्माण कार्य चलने की वजह से इन्हें अनपुयुक्त पाया गया है।

पटना वीमेंस कॉलेज में 1089 छात्राओं को मिली डिग्रियां

एजेंसी, पटना

पटना वीमेंस कॉलेज में आज दीक्षांत समारोह हुआ। समारोह में 35 छात्राओं को गोल्ड मेडल मिला। 2025 में पास होने वालीं स्नातक, बीएड और पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की छात्राओं को डिग्रियां दी गई, जिसमें 1089 छात्राएं शामिल हैं। कॉलेज के वेरोनिका ऑडिटोरियम में कार्यक्रम शुरू हुआ। सभी छात्राओं ने बिहार की संस्कृति को दिखाते हुए मिथिला पाग पहना था। सुरक्षा और अनुशासन के मद्देनजर ऑडिटोरियम के अंदर मोबाइल, खाने-पीने की वस्तुएं और पानी की बोतल ले जाना पूरी तरह मना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी मोतिहारी के प्रो. संजय श्रीवास्तव, पीयू की वीसी प्रो नमिता सिंह, रजिस्ट्रार प्रो शालिनी शामिल थी।

दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड किया गया था लागू: इस दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड भी लागू किए गए हैं। छात्राओं को लाल या सुनहरी बॉर्डर वाली सफेद या ऑफ-व्हाइट साड़ी/सलवार सूट पहनकर आना था। इस दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाली सभी छात्राओं को अपनी भुगतान रसीद साथ लाना अनिवार्य था। समारोह वाले दिन ही सुबह 9 से 10 बजे के बीच अंगवस्त्र का वितरण ऑडिटोरियम के बाहर बने काउंटरों से किया गया। हर एक छात्रा के साथ केवल एक अभिभावक को शामिल होने की अनुमति दी गई थी, जिन्हें सुबह 10:30 बजे तक अपना स्थान ग्रहण करना था।

बनारस की तर्ज पर बिहार में साफ होगी गंगा, दीघा से लेकर पटना सिटी तक के नाले एसटीपी से जुड़ेंगे

एजेंसी, पटना

बिहार में गंगा बनारस की तर्ज पर साफ होगी। इसके लिए बिहार में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) की संख्या बढ़ाई जा रही है। राज्य के विभिन्न नालों से निकलने वाला गंदा पानी अब बिना ट्रीटमेंट गंगा में नहीं गिरेगा। पहले बिहार में कुल STP की संख्या 39 थी, जो अब बढ़कर 44 हो गई है। समस्तीपुर, जमालपुर, खगड़िया और बरौनी में नया STP लगाया जाएगा। इसके साथ ही पटना में बिहार का सबसे बड़ा STP लगेगा। हाल ही में दिल्ली में नमामी गंगे की बैठक हुई, जिसके बाद नगर विकास एवं आवास विभाग ने बुडको को इसपर काम करने का आदेश दिया है।

बिना ट्रीटमेंट गंदा पानी नदी में नहीं गिरेगा

दीघा से लेकर पटना सिटी तक के नाले STP से जुड़ेंगे: पटना में गंगा पथ के पास 400 एमएलडी क्षमता का नया एसटीपी बनेगा। यह दीघा से लेकर पटना सिटी तक के नालों को जोड़ेगा। नालों के पानी के लिए अलग चैनल बनाया जाएगा। बुडको प्रशासन के मुताबिक पटना में सर्वे का काम किया जा रहा है। अब सिर्फ एक एसटीपी 400 एमएलडी की बनेगी या दो एसटीपी 200 एमएलडी की बनेगी, ये डिजाइनिंग के समय फाइनल किया जाएगा। फ़िलहाल 39 STP में से 21 STP पूरा हो चुका है। 13 STP क्रियान्वित है, जिसमें से 6 इस साल कंप्लीट होगा और 7 अगले साल पूरा किया जाएगा। वहीं, 5 टेंडर फेज में है।

सभी बड़े नालों की टैपिंग होगी: पटना में बनने वाले नए STP से दीघा, कुर्जी, राजापुर, मंदिरी, अंटा घाट और मित्तन घाट के नालें जुड़ेंगे। प्रमुख नालों का आंकलन किया गया है। अब डीपीआर तैयार होगी। सभी बड़े नालों की टैपिंग होगी।

नालों का पानी इंटरसेप्शन एंड डाइवर्जन से एसटीपी तक लाया जाएगा। जहां पहले से सीवर लाइन का काम चल रहा है, वह पूरा होगा। लेकिन अब नए सिरे से सड़कों और गलियों की खुदाई नहीं होगी। संकरी गलियों में नेटवर्किंग का काम रोका जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आर्म्स एक्ट मामले में 2 वर्ष 6 माह की सजा

बीएनएम @ मोतिहारी। शस्त्र अधिनियम से जुड़े एक मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला पूर्वी चंपारण के मेहसी थाना कांड संख्या 143/24 में सुनाया गया। पूर्वी चंपारण के न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी अर्चना कुमारी ने त्वरित विचारण करते हुए आरोपी करण कुमार को दोषी पाया। वह उझीलपुर गांव का निवासी है और गणेश सहनी का पुत्र बताया जाता है। न्यायालय ने आर्म्स एक्ट की धारा 25 (1-B) ए के तहत आरोपी को 2 वर्ष 6 माह के कारावास और 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना अदा नहीं करने पर दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वहीं धारा 26 के तहत एक वर्ष का कारावास और दो हजार रुपये जुर्माने की सजा दी गई है। जुर्माना नहीं देने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास निर्धारित किया गया है। मामले के वादी पुलिस अवर निरीक्षक सौरभ कुमार थे, जबकि अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक राहुल कुमार रहे। अभियोजन पक्ष की ओर से अधिवक्ता चाँदनी मुस्कान ने प्रभावी पैरवी की।

55.11 ग्राम स्मैक व नेपाली मुद्रा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत नकरदेई थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर सिरिसिया माल में छापेमारी कर पुलिस ने स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्रांत कुमार के रूप में हुई है। वह सिरिसिया माल गांव का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से 55.11 ग्राम स्मैक और 20,200 नेपाली रुपये बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने मामले में संलिप्त दूसरे आरोपी इकरामुल को भी गिरफ्तार कर लिया। वह भी सिरिसिया माल का ही निवासी बताया जाता है। इस संबंध में नकरदेई थाना में कांड संख्या 24/26 दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर आगे की कार्रवाई जारी है।

सुगौली रेलवे स्टेशन चरस कांड में बड़ा एक्शन, जीआरपी-आरपीएफ समेत 9 पर केस

बीएनएम @ मोतिहारी। सुगौली रेलवे स्टेशन से पिछले वर्ष बरामद 24 किलो चरस के कोर्ट पहुंचने तक ईंट में बदल जाने के सनसनीखेज मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। इस प्रकरण में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने जांच रिपोर्ट और एडीजी रेलवे की रिपोर्ट के आधार पर नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दर्ज प्राथमिकी में तत्कालीन जीआरपी थानाध्यक्ष सोती कुमार, आरपीएफ प्रभारी सजीव रतन प्रसाद सिंह, आरपीएफ सिपाही गोविंद कुमार महतो, अनुसंधान पदाधिकारी सह इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार, जीआरपी सिपाही समीर आलम, जीआरपी सिपाही मो. जाकिर, आरपीएफ एएसआई प्रभु हाजरा, आरपीएफ प्रधान आरक्षी रितेश प्रसाद वर्मा तथा दंडाधिकारी सह अंचल अधिकारी कुंदन कुमार को आरोपी बनाया गया है। बताया जाता है कि पिछले वर्ष सुगौली रेलवे स्टेशन से करीब 24 किलो चरस बरामद की गई थी। जब्त मादक पदार्थ को न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने पर वह चरस के बजाय ईंट के टुकड़े में तब्दील पाया गया, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया था। मामले की जांच के बाद रिपोर्ट के आधार पर आर्थिक अपराध इकाई ने संबंधित पुलिसकर्मियों व अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया है।

बीजधरी थाना क्षेत्र के सीएसपी लूटकांड में एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

बीजधरी थाना क्षेत्र में हुए सीएसपी लूटकांड मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। गुप्त सूचना और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने कांड के एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार 23 फरवरी 2026 को थाना क्षेत्र के सुंदरापुर स्थित एक सीएसपी केंद्र में अज्ञात अपराधियों ने संचालक के काउंटर से करीब 50 हजार रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया था। घटना के बाद संचालक के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया। जांच के क्रम में मानवीय सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कांड के लाइनर अजय कुमार उर्फ अजय सहनी, पिता–सुरेश सहनी, निवासी बीजधरी निजामत, थाना–बीजधरी, जिला–पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में छापेमारी दल का नेतृत्व थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने किया। टीम में पुलिस अवर निरीक्षक चंद्रमा मांझी, मुन्ना कुमार सिंह, जिला आसूचना इकाई मोतिहारी की टीम तथा बीजधरी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। थानाध्यक्ष सिमा कुमारी ने बताया कि कांड में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही पूरे मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

होली को लेकर तुरकौलिया में पुलिस की चौकसी तेज, तीन वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

होली पर्व को लेकर तुरकौलिया थाना क्षेत्र में पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। इसी क्रम में थाना क्षेत्र के शंकरसरैया तनसरिया गांव में छापेमारी कर पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेंद्र मलिक, मुस्तकीम मियां और नूर आलम के रूप में की गई है। बताया गया है कि तीनों के विरुद्ध न्यायालय से वारंट निर्गत था, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें दबोच लिया। इस संबंध में उमाशंकर मांझी, थानाध्यक्ष तुरकौलिया ने बताया कि होली पर्व को देखते हुए क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरती जा रही है और फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान चरगाहां पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य शंभू प्रसाद पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। साथ ही थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की गश्ती और निगरानी बढ़ा दी गई है।

होली पर्व को लेकर प्रशासन सतर्क, एसडीओ ने संवेदनशील क्षेत्रों का किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को अनुमंडल पदाधिकारी, सिकरहना ने विधि-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद ढाका, अपर थानाध्यक्ष ढाका तथा थानाध्यक्ष पचपकड़ी थाना के साथ ढाका बाजार सहित नगर क्षेत्र के संवेदनशील स्थलों का भ्रमण किया। इसके अलावा पचपकड़ी थाना क्षेत्र के गड़हिया, सपही, रूपौलिया गोपी और झिटकही गांव के संवेदनशील स्थानों का भी जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली और होली पर्व के दौरान शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी या असामाजिक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि होली को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

08 हजार का इनामी व आर्म्स एक्ट का वांछित आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में पुलिस ने आर्म्स एक्ट के एक वांछित एवं आठ हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई थाना पुलिस और सशस्त्र सीमा बल की संयुक्त टीम ने की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रवीण कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह राजेपुर नवादा गांव का निवासी है और सुमन सिंह का पुत्र बताया जाता है। उसके विरुद्ध पकड़ीदयाल थाना कांड संख्या 444/25 में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर आठ हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है तथा आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। पुलिस अभिलेख के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें पकड़ीदयाल थाना कांड संख्या 508/25 में आर्म्स एक्ट तथा कांड संख्या 303/22 में पुलिस पर हमला करने का मामला शामिल है।

17 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार, घोड़ासहन पुलिस की कार्रवाई- मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत घोड़ासहन थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने 17 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बबलू चौधरी के रूप में हुई है। वह समस्तीपुर जिले के गंगापुर गांव का निवासी बताया जाता है। पुलिस के अनुसार आरोपी ग्राम बलापुर की ओर से मोतिहारी की तरफ मोटरसाइकिल से मादक पदार्थ की खेप लेकर आ रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 17 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में घोड़ासहन थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

हाजीपुर–सुगौली रेल लाइन परियोजनाः भू-अर्जन मुआवजा लेने हेतु रैयतों को अंतिम नोटिस जारी

बीएनएम @ मोतिहारी

हाजीपुर–सुगौली नई रेल लाइन परियोजना के तहत अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान को लेकर जिला भू-अर्जन कार्यालय, पूर्वी चंपारण ने संबंधित रैयतों को अंतिम सूचना जारी की है। कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि जिन रैयतों ने अब तक दावा एवं आवश्यक कागजात प्रस्तुत नहीं किए हैं, वे 20 मार्च 2026 तक हर हाल में समाहर्ता कार्यालय में अपना दावा जमा कर दें। कार्यालय के अनुसार सिसवा पटना, खजुरिया, बरवा, मुरली खास, बीजधरी माफी, बीजधरी निजामत, लोहरगांवा, सेवराहा, दुधही, घीवाढ़ार, चड़रहिया, अमवा तथा अहिरौलिया समेत कई मौजों के रैयतों को पूर्व में अधिनियम 30, 2013 की धारा 37(2) के तहत नोटिस निर्गत किया गया था। नोटिस में उन्हें हित-संबद्ध व्यक्ति मानते हुए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर प्रतिकर प्राप्त करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि कई मामलों में अब तक दावा प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण मुआवजा भुगतान लंबित है। जिला भू-अर्जन कार्यालय ने रैयतों से कहा है कि वे स्वयं अथवा अधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से एलपीसी, मालगुजारी रसीद, खतियान, केवाला दस्तावेज, बंध पत्र, शपथ पत्र, पारिवारिक सूची, बैंक खाता विवरणी, आधार-पैन कार्ड, मोबाइल नंबर सहित अन्य आवश्यक कागजातों के साथ कार्यालय में उपस्थित होकर प्रक्रिया पूरी करें। कार्यालय ने चेतावनी दी है कि निर्धारित तिथि तक दावा प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि रैयतों को प्रतिकर राशि स्वीकार नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रतिकर राशि को भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 64 एवं 77(2) के तहत सक्षम प्राधिकार को संदर्भित कर दिया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण पर दो दिवसीय प्रांतीय योजना बैठक सम्पन्न

- उत्तर बिहार के दो दर्जन से अधिक पर्यावरण प्रेमी हुए शामिल
- घर से शुरू करें पर्यावरण संरक्षण का काम मिलेगी सफलताः सुधांशु मिश्र

बीएनएम @ मोतिहारी

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के बैनर तले दो दिवसीय योजना बैठक संघ कार्यालय में आयोजित हुआ ।इसकी शुरुआत शांति पाठ और प्रेरणा गीत से की गई। इस बैठक में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि उत्तर बिहार के पदाधिकारियों के साथ-साथ पर्यावरण प्रेमी एवं स्थानीय लोग बड़ी संख्या में भाग लिया। अतिथियों का स्वागत एवं परिचय जिला टोली एवं विषय प्रवेश डॉ अमित रंजन के द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान उत्तर बिहार प्रांत के प्रांत संयोजक सुधांशु मिश्रा ने भारतीय संस्कृति और पर्यावरण के गहरे संबंध पर विस्तार से चर्चा हुई । उन्होंने कहा कि हमारी परंपराओं में प्रकृति को पूजनीय माना गया है एवं जीवन के हर पहलू में पर्यावरण का विशेष महत्व रहा है मोतिहारी नगर के माननीय नगर संघचालक उदय नारायण ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के बिना मानव जीवन की कल्पना संभव नहीं है। कार्यक्रम के दूसरे दिन परिचर्चा में जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और गंभीर समस्याओं पर चिंता व्यक्त की। इन चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के हर व्यक्ति को जागरूक और जिम्मेदार बनना होगा। इस दौरान लोगों से अधिक से अधिक पौधा लगाने, वृक्ष की सुरक्षा करने, जल संरक्षण अपनाने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की अपील की गई। कार्यक्रम में उपस्थित प्रान्त के अधिकारी डॉ० योगी शैलेन्द्र गिरि, डॉ० स्नेहा चौरसिया एवं श्री नवनीत गिरि द्वारा विभिन्न पहलुओं पर अपना विचार व्यक्त किया । कार्यक्रम मे पूरे बिहार से उपस्थिति तारकेश्वर, डॉ कृति,श्रीमती धीरा गुप्ता, आदर्श कुमार , श्रीमती चंद्रलता वर्मा, अजीत, विनोद , केशव कृष्णा, डॉ कमलेश कुमार, राजीव, हिमांशु सहित स्थानीय लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने तथा अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव अपनाने की शपथ ली । यह आयोजन समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम के अंत धन्यवाद ज्ञापन एवं शांति पाठ जिला सह संयोजक राजन श्रीवास्तव के द्वारा की गयी ।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज, बीमा कंपनियों के प्रबंधकों के साथ हुई बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार में बीमा कंपनियों के प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास ने की। बैठक में बीमा क्लेम से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित और प्रभावी निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। अध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान में यहां कुल 98 वाद लंबित हैं, जबकि कुछ अन्य मामले मुजफ्फरपुर स्थानांतरित हो चुके हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि लंबित मामलों में यदि किसी प्रकार की कमी या त्रुटि है तो उसे शीघ्र दूर कर नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ित पक्षकारों को समय पर न्याय और मुआवजा मिल सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने राष्ट्रीय लोक अदालत की कार्यप्रणाली और प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी देते हुए सभी अधिकारियों से सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में बीमा कंपनियों की ओर से रबीन्द्र कुमार, कुंदन सिंहा, ए.एच. साकिब और मनोज कुमार उपस्थित रहे। अंत में अध्यक्ष ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके।

बंजरिया थाना परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन, पुलिसकर्मियों व पत्रकारों ने किया रक्तदान

- पूजा किन्नर ने भी रक्तदान कर लोगों को किया प्रेरित

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के बंजरिया थाना परिसर में मंगलवार को रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन सोसाइटी की कार्यकारी अध्यक्ष सह अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) अनिता शर्मा तथा थानाध्यक्ष अमित सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। शिविर की शुरुआत थानाध्यक्ष अमित सिंह ने स्वयं रक्तदान कर की। इसके बाद पुलिस पदाधिकारियों, कर्मियों और पत्रकारों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदान करने वालों में पत्रकार आनंद कुमार, निखिल कुमार, सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार, अखिलेश यादव, उपेन्द्र ठाकुर, पियूष कश्यप, शंभू शरण और अजय कुमार समेत कुल 25 पुलिस पदाधिकारी व कर्मी शामिल रहे। इस दौरान पूजा किन्नर ने भी रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया तथा अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में रेड क्रॉस सोसाइटी की कार्यकारी अध्यक्ष ने रक्तदान करने वाले पुलिस पदाधिकारियों, कर्मियों और पत्रकारों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक मानवीय सेवा है और स्वस्थ व्यक्ति द्वारा रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं होती, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें।

संक्षिप्त समाचार

मलाही पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ी विदेशी शराब, केसरिया का तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज। बिहार में पूर्ण शराबबंदी को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मलाही पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थानाध्यक्ष सुमन भारती के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की जा रही सघन बाइक चेकिंग के दौरान एक अंतर-थाना शराब तस्कर को भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई मलाही थाना के समीप उस वक्त हुई जब पुलिस आने-जाने वाले वाहनों की गहनता से जांच कर रही थी। इसी क्रम में एक बाइक सवार पुलिस को देखकर घबराने लगा, जिसे संदेह के आधार पर रोककर तलाशी ली गई। पुलिस की सूझबूझ तब रंग लाई जब मोटरसाइकिल की डिक्की और सीट के नीचे बनाए गए गुप्त तहखाने से कुल 45 बोतलें विदेशी शराब बरामद की गईं। बरामद खेप में 42 पीस ऑफिसर्स चॉइस और 3 पीस रॉयल स्टेज शामिल है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के ही केसरिया थाना क्षेत्र निवासी अनिल कुमार के रूप में हुई है, जो मोहन राय का पुत्र बताया जा रहा है। थानाध्यक्ष सुमन भारती ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी के विरुद्ध मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

हरसिद्धि में शराब पीने के आरोप में एक गिरफ्तार, वारंटी भी दबोचा गया

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को शराब पीने के आरोप में तथा एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार शराबबंदी कानून के उल्लंघन के मामले में टूना शर्मा, पिता स्व. राम भजन ठाकुर, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान उसके द्वारा शराब सेवन करने की पुष्टि होने पर उसे हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की गई। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने लंबित वारंट के मामले में कार्रवाई करते हुए राहुल कुमार, पिता शंभू सिंह, ग्राम बाबू टोला, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में हरसिद्धि के प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष ने बताया कि किसी भी प्रकार के अवैध कार्य में संलिप्त लोगों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

विवादित भूमि का किया स्थलीय निरीक्षण

बीएनएम @ बगहा : लौरिया थाना क्षेत्र के बगही-देवराज में एक वर्ष से चले आ रहे भूमि विवाद को सुलझाने के लिए अंचलाधिकारी नीतेश कुमार सेठ ने सोमवार को ठोस प्रशासनिक पहल की। मुख्य सड़क स्थित 4 कट्ठा 17 धुर जमीन को लेकर मुस्मात मंतुरा देवी और फरहाद हुसैन के बीच लंबे समय से विवाद है। मंतुरा देवी न्याय के लिए लगातार अंचल कार्यालय के चक्कर काट रही थीं, जबकि डीसीआरएल ने 30 अप्रैल 2025 को उनके पक्ष में निर्णय दिया था।मामले की गंभीरता देखते हुए सीओ ने राजस्व अमीन राम प्रवेश महतो के साथ विवादित भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों पक्षों को अपने स्तर से अमीन रखने का निर्देश दिया है ताकि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से सीमांकन हो सके। मंतुरा देवी ने पूर्व की मापी रिपोर्ट जमा न होने की शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई है|

दुर्लभ पांडुलिपियों का होगा डिजिटाइजेशन : संजय झा

बीएनएम @ पटना। राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने कहा है कि मिथिला शोध संस्थान में संरक्षित प्राचीन और दुर्लभ पांडुलिपियों का डिजिटाइजेशन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। माधवेश्वर परिसर में आयोजित अभिनंदन समारोह के दौरान उन्होंने जोर दिया कि इन पांडुलिपियों में भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य विरासत समाहित है, जिसे भावी पीढ़ियों के लिए सहेजना अनिवार्य है।सांसद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विजन की सराहना करते हुए संस्थान में चल रहे निर्माण कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ उनका मुख्य लक्ष्य इन बहुमूल्य सामग्रियों को डिजिटल रूप देना है, ताकि दुनिया भर के शोधार्थियों को लाभ मिल सके। उन्होंने संस्थान के प्रकाशन विभाग को भी सशक्त बनाने की बात कही। इस अवसर पर डॉ. मित्रनाथ झा सहित कई विद्वानों ने सांस्कृतिक धरोहरों के प्रति सांसद की प्रतिबद्धता को ऐतिहासिक बताया।

आर्म्स एक्ट के दोषी को 3 साल की सजा

बीएनएम @ बगहा : बगहा व्यवहार न्यायालय ने आर्म्स एक्ट के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए अभियुक्त सुरेश चौधरी को तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अनंत कुमार की अदालत ने सुनवाई के बाद दोषी पर तीन हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया।लोक अभियोजक रामप्रीत दास के अनुसार, यह मामला नदी थाना कांड से जुड़ा है। घटना 12 मई 2020 की है, जब भगवानपुर रेता के पास आरोपी ने बुन्नी चौधरी पर बंदूक तान दी थी। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। न्यायालय ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी पाते हुए यह कड़ा फैसला सुनाया है।

छह दिवसीय बाल विवाह मुक्त अभियान शुरू, अधिकारियों ने दी कड़ी चेतावनी

बीएनएम @ रामगढ़वा

प्रखंड की सभी पंचायतों में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए छह दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान का नेतृत्व प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार, सीडीपीओ रश्मि कुमारी तथा बीसीओ अशोक पन्ना कर रहे हैं। अभियान के दौरान अधिकारी विभिन्न पंचायतों का दौरा कर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणाम और कानून के प्रावधानों के बारे में जागरूक कर रहे हैं। क्षेत्र भ्रमण के दौरान जिला पार्षद पति मोहम्मद कमरुद्दीन सहित कई स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। प्रशासन का उद्देश्य इस छह दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से हर पंचायत और हर घर तक यह संदेश पहुंचाना है कि बच्चों का सुरक्षित भविष्य समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि बाल विवाह कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकारी नियमों के अनुसार 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की की शादी कराना दंडनीय अपराध है। ऐसा करने वालों को दो वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपये तक के आर्थिक दंड का प्रावधान है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि इस अपराध में केवल माता-पिता ही नहीं, बल्कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित या मौलवी भी समान रूप से जिम्मेदार माने जाएंगे। इसके अलावा शादी में सहयोग करने वाले हलवाई, नाई, टेंट संचालक, बैंड-बाजा संचालक या अन्य सहयोगी भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आएंगे। प्रखंड प्रशासन द्वारा पंचायतों में लोगों को शपथ दिलाई जा रही है कि वे न तो बाल विवाह करेंगे और न ही इसे बढ़ावा देंगे। अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि बच्चों का बचपन सुरक्षित रखा जा सके।

बोकाने खुर्द में प्रशासन की कार्रवाई, कई स्थानों को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

बीएनएम @ पताही

प्रखंड क्षेत्र की बोकाने खुर्द में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई चलाते हुए कई स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई बोकाने पंचायत के अंतर्गत की गई, जहाँ सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची थी। मिली जानकारी के अनुसार प्रशासन ने कई स्थानों से अतिक्रमण हटाकर सरकारी जमीन को खाली कराया। इसी क्रम में अकलु साहनी, शिवचंद्र दास और भैरव साहनी के घर पर भी टीम पहुंची। कार्रवाई के दौरान तीनों लोगों ने अंचलाधिकारी नाजनी अकरम से मुलाकात कर कुछ दिनों का समय देने का अनुरोध किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे स्वयं ही अपने घर को अतिक्रमण मुक्त कर देंगे। इस पर अंचलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप की स्थिति देखी जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों ने सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

बनारस की कला से सोमेश्वर नाथ संगीत संस्थान में निखर रही प्रतिभा, 1 मार्च को होगा होली मिलन समारोह

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज स्थित सोमेश्वर नाथ संगीत संस्थान इन दिनों क्षेत्र की पारंपरिक कला और संस्कृति को नया मंच देने का काम कर रहा है। संस्थान के संचालक कृष्णा गुप्ता ने धर्मनगरी वाराणसी में कठिन संघर्षों के बीच संगीत और नृत्य की विधिवत शिक्षा प्राप्त की है और अब अपने क्षेत्र के बच्चों को शास्त्रीय कलाओं से जोड़ने में जुटे हैं। उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र के कई प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं कथक नृत्य, तबला वादन और शास्त्रीय गायन की बारीकियां सीख रहे हैं। पलक, श्रेया, सलोनी, अभिनव, ज्योति और अनामिका जैसे उभरते कलाकार नियमित अभ्यास के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं। संस्थान के संचालक कृष्णा गुप्ता का कहना है कि आधुनिकता के दौर में हमारी पारंपरिक कला-संस्कृति धीरे-धीरे हाशिये पर जा रही है। ऐसे में स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देकर इन विधाओं को जीवित रखना उनका प्रमुख उद्देश्य है। इसी सांस्कृतिक पहल को आगे बढ़ाते हुए संस्थान द्वारा आगामी 1 मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी, जिसमें संस्थान के छात्र-छात्राएं अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। कृष्णा गुप्ता ने क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों, कला प्रेमियों और अभिभावकों से समारोह में शामिल होकर उभरते कलाकारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। उनका मानना है कि समाज के सहयोग से ही क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपरा को नई ऊर्जा मिल सकती है।

अनुमंडल पदाधिकारी ने किया पीपरा पीएचसी का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

बीएनएम @ अरेराज @ उज्जवल मिश्रा

अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीपरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जांच के समय प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित तथा सीएचसी हरसिद्धि के प्रभारी डॉ सुनील कुमार भी टीम के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण करते हुए ओपीडी संचालन, मरीजों के पंजीकरण की प्रक्रिया, वाइटल्स की जांच और जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कोल्ड चेन के रखरखाव, स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति पंजी तथा चिकित्सकों के ड्यूटी रोस्टर का भी मिलान किया गया, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश न रहे। इस दौरान पीएचसी प्रभारी डॉ राहुल कुमार पाठक और बीएचएम कुंदन कुमार के नेतृत्व में अस्पताल की टीम मुस्तैद दिखी। ओपीडी में डॉ निशांत कुमार, डॉ अनिल झा और बीएमएनई रवि कुमार समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी अपने कार्यों में तैनात मिले। निरीक्षण के बाद अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने अस्पताल की वर्तमान व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पारदर्शिता, तत्परता और सेवा भाव के साथ कार्य करते हुए आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

मनरेगा योजना में फर्जी फोटो से भुगतान की कोशिश, 19 लाख की योजना में अनियमितता का आरोप

बीएनएम @ सिकरहना @ श्रीनिवास कुमार

सिकरहना प्रखंड के भंडार पंचायत में चल रही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की योजनाओं में गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। आरोप है कि करीब 19 लाख 6 हजार 43 रुपये की लागत वाली योजनाओं में फर्जी फोटो और उपस्थिति दर्ज कर राशि की निकासी की तैयारी की जा रही थी। बताया जाता है कि भंडार हाई स्कूल परिसर में खेल मैदान के विकास से संबंधित दो योजनाओं पर 19 फरवरी 2026 से कार्य शुरू दिखाया गया है। मास्टर रोल के अनुसार प्रतिदिन दर्जनों मजदूरों की उपस्थिति दर्ज की गई है, लेकिन स्थल पर पहुंचने पर कोई मजदूर काम करते नहीं मिला और न ही किसी प्रकार का कार्य होता दिखाई दिया। सूत्रों के अनुसार एनएमएमएस ऐप के माध्यम से अपलोड की गई अटेंडेंस और तस्वीरों में भी गड़बड़ी सामने आई है। आरोप है कि एक ही मजदूर की तस्वीर को कई बार अपलोड कर मास्टर रोल में दर्ज मजदूरों की उपस्थिति दर्शाई गई। कुछ मामलों में पुरानी तस्वीर की फोटो लेकर उसे ऐप पर अपलोड किए जाने की भी बात कही जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत रोजगार सेवक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से मास्टर रोल में अधिक मजदूर दिखाकर सरकारी राशि के गबन की कोशिश की जा रही है। कहा जा रहा है कि कई ऐसे लोगों के नाम भी मजदूर के रूप में दर्ज हैं जो या तो बाहर रहते हैं या कभी काम पर नहीं आते। इस संबंध में मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद संबंधित योजना के भुगतान पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में अनियमितता की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मास्टर रोल, मजदूरों के खातों से निकासी और एनएमएमएस ऐप पर अपलोड तस्वीरों की जांच कराई जाए तो मनरेगा योजनाओं में हो रही अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है।

10 हजार रुपये रिश्वत लेते प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी गिरफ्तार

बीएनएम @ पटना

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने कार्रवाई करते हुए समस्तीपुर जिले में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान राजेश कुमार भगत के रूप में हुई है, जो विद्यापति नगर एवं उजियारपुर प्रखंड में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के पद पर कार्यरत थे। निगरानी विभाग की मुख्यालय टीम ने 24 फरवरी 2026 को यह कार्रवाई की। बताया गया कि घठो थाना क्षेत्र के मनियारपुर निवासी राम एकबाल सिंह ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जन वितरण प्रणाली के तहत अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटन बढ़ाने के एवज में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। निगरानी ब्यूरो ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर मामला दर्ज कर धावा दल का गठन किया गया। इसके बाद टीम ने समस्तीपुर के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र स्थित काली चौक के पास आरोपी अधिकारी को उनके किराये के आवास से 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें निगरानी के विशेष न्यायालय, मुजफ्फरपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की अनुसंधान कार्रवाई जारी है।

बिहार पुलिस सप्ताह पर बेतिया में नशा मुक्ति को लेकर प्रभात फेरी व प्रतियोगिताएं आयोजित

बीएनएम @ बेतिया

बिहार पुलिस सप्ताह 2026 के तीसरे दिन जिले के पुलिस केंद्र में विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा लोगों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रभात फेरी निकाली गई तथा नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। प्रभात फेरी पुलिस केंद्र से निकलकर आसपास के क्षेत्रों से गुजरी, जिसमें पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों ने लोगों से नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की अपील की। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी नशे के दुष्परिणामों को दर्शाते हुए जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। इसके साथ ही पुलिस केंद्र में नशा मुक्ति विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मक पेंटिंग के माध्यम से नशे के खिलाफ संदेश दिया। बेहतर पेंटिंग प्रस्तुत करने वाले बच्चों को पुलिस विभाग की ओर से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि समाज को नशे से मुक्त बनाने के लिए जनजागरूकता बेहद जरूरी है और इसी उद्देश्य से पुलिस सप्ताह के दौरान ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

पताही सीएचसी में दवा मामले की जांच करने पहुंचे सिविल सर्जन, दोषियों पर कार्रवाई के संकेत

बीएनएम @ पताही @ श्रीनिवास कुमार

पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवा प्रबंधन और साफ-सफाई से जुड़े मामले की जांच करने मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ दिलीप कुमार अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल परिसर का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई व्यवस्था को अनिवार्य बताते हुए संबंधित कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने दवा भंडारण कक्ष, रिकॉर्ड संधारण और अस्पताल परिसर की व्यवस्था का जायजा लिया। पूर्व में अस्पताल में एक्सपायर दवाएं मिलने के मामले को गंभीर बताते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेज दी गई है और निर्देश प्राप्त होते ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान अस्पताल के पूर्व लिपिक और पूर्व भंडार पाल भी मौजूद रहे। सिविल सर्जन ने अस्पताल प्रबंधन को दवा भंडारण व्यवस्था को व्यवस्थित रखने, रिकॉर्ड संधारण में पारदर्शिता लाने तथा अस्पताल परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस संबंध में पताही सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शंकर बैठा ने बताया कि सिविल सर्जन द्वारा रूटीन निरीक्षण किया गया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल को पूरी तरह साफ-सुथरा रखने और सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। सिविल सर्जन के निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य केंद्र प्रशासन में हलचल तेज हो गई है और अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुधारने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि जांच के बाद स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार देखने को मिलेगा।

सांप्रदायिक भावनाओं के कारण तनाव

राजनेताओं को स्वार्थ से उठ कर समस्या पर विचार करना चाहिए। समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ रहे हों, तब थोपी गई एकता कारगर नहीं हो सकती। जरूरत पहले सामाजिक दुराव खत्म करने की है।

पिछले महीने मणिपुर चूराचंदपुर में 31 वर्षीय मयंगलम्बम सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी, जब वे अपनी मंगेतर से मिलने गए थे। मंगेतर कुकी-जो समुदाय की थी। उस हृदय-विदारक घटनाक्रम में इकट्ठी भीड़ ने युवती को वहां से जाने दिया। उसके बाद मयंगलम्बम सिंह को मार डाला गया। हत्यारों ने दया की भीख मांगते उस व्यक्ति का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर प्रचारित किया। इस घटना से जाहिर हुआ था कि पौने तीन साल से जारी हिंसा ने मैतेई और कुकी समुदायों में किस हद तक दुराव पैदा किया है। उस घटना के बाद मीडिया में आई रिपोर्टों से संकेत मिला है कि सांप्रदायिक नफरत का ये जहर किस हद तक फैला चुका है। असर इतना घातक है कि अब विवाहित मैतेई और कुकी दंपती अपने को मुसीबत में पा रहे हैं। ऐसे कई सामने आए मामले हैं, जिनमें ऐसे दंपतियों पर तलाक लेने का दबाव उनके समुदाय के लोगों ने बनाया है। उनमें कई दंपतियों की कई संतानें भी हैं। कुछ मामले तो ऐसे हैं, जिनमें पति- पत्नी हिंसा भड़कने के बाद से अलग रहने को मजबूर हैं। हैरतअंगेज है कि राजनीतिक दलों को समाज में उभरी ऐसी विभाजक प्रवृत्तियों की फिक्र नहीं है। इन हालात को नजरअंदाज करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने इस महीने मणिपुर में नई सरकार बनाई। उसके बाद से राज्य में हिंसा का नया दौर आया हुआ है। चूराचंदपुर, उखरुल और अन्य कुकी बहुल इलाकों में आगजनी, पथराव, पुलिस से झड़प आदि जैसी अनेक घटनाएं हुई हैं। कुकी-जो समुदाय के लोग अपनी बहुलता वाले इलाको को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग कर रहे हैं। यानी वे मणिपुर का हिस्सा नहीं रहना चाहते, जिसमें मैतेई बहुसंख्यक हैं। राजनेताओं को थोड़े समय के लिए स्वार्थ से उठ कर इस समस्या पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि जब समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ गए हों, तब ऊपर से थोपी गई राजनीतिक एकता कारगर नहीं हो सकती।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है। लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें। यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

विश्वविद्यालय या वैचारिक युद्धक्षेत्र?

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

शैक्षणिक स्वतंत्रता, ज्ञान की खोज और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ऐसी चीजें हैं जिन पर विश्वविद्यालय अक्सर गर्व करते हैं। हालांकि, कुछ वामपंथी और इस्लामी वैचारिक समूह इनका दुरुपयोग समाज में असमानता और कई कॉलेजों में राष्ट्र-विरोधी आचरण को बढ़ावा देने के लिए करते हैं। सहकर्मी नेटवर्क और संस्थागत पुरस्कार प्रणालियाँ जो एक विशिष्ट असामाजिक और राष्ट्र-विरोधी वैचारिक विचारधारा को दूसरों पर प्राथमिकता देती हैं, शैक्षणिक विभागों को ऐसे प्रतिध्वनि कक्षों में बदल देती हैं जहाँ कुछ विशेष दृष्टिकोण हावी हो जाते हैं। दुनिया इस साम्यवादी मानसिक और संज्ञानात्मक विकृति से पीड़ित होने लगी है। यह विकृति भारतीय विश्वविद्यालयों को भी प्रभावित करती है, जिससे राष्ट्र और समाज को गंभीर नुकसान पहुँचता है। कई विश्वविद्यालय जिनमें मानविकी विभाग है, एक साम्यवादी थीम पार्क बन गए हैं। लक्ष्य है भारत का विघटन करना और सनातन धर्म को विकृत सिद्धांत और व्यवहार के माध्यम से ध्वस्त करना, चाहे वह समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास, भाषा या कानून का क्षेत्र हो। उच्च शिक्षा में बौद्धिक विविधता नष्ट करने और ज्ञान संबंधी भ्रम पैदा करने वाले कट्टरपंथी साम्यवादी विचारों को अधिकाधिक बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र में विश्वविद्यालय के कुलपतियों सहित 200 से अधिक शिक्षा विशेषज्ञों ने देश की गिरती शैक्षिक स्थिति के लिए वामपंथी कार्यकर्ताओं के एक समूह को जिम्मेदार ठहराया है। वामपंथियों की भ्रामक प्रवृत्ति युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध भड़काने की है। 1980 के दशक में जब वामपंथी संगठनों ने देश के युवाओं और ग्रामीणों को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया था, तब से वामपंथी उग्रवाद और वामपंथी विचारधारा की आड़ में देश को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि जेएनयू से लेकर जामिया, एएमयू से लेकर जादवपुर तक के परिसरों में हो रही घटनाएं दर्शाती हैं कि कैसे मुट्ठी भर वामपंथी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों से शैक्षणिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विश्वविद्यालय में केवल शिक्षा के उद्देश्य से दाखिला लेने वाले और किसी भी समूह से असंबंधित छात्र सबसे अधिक पीड़ित हैं। सोशल मीडिया पर गलत प्रचार, झूठी कहानी और झूठे विमर्श जैसे शब्दों का अक्सर इस्तेमाल होता है। सनातन धर्म/हिंदुत्व की झूठी कहानियां मीडिया में बड़े पैमाने पर फैलाई जाती है और कई सरकारी कर्मचारी, बहुराष्ट्रीय निगमों के कर्मचारी, गैर सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों, मीडिया संस्थानों आदि में विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी इन झूठी कहानियों को सत्य मान लेते हैं। मेरा मानना है कि स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे वर्तमान पीढ़ी के छात्रों के एक बड़े हिस्से के लिए भी यही सत्य है। आखिरकार, लाखों लोग-जिनमें से कई असहमत हो सकते हैं, उनको इन विभिन्न कहानियों को अपनाने के लिए मजबूर किया गया है, जबकि हम जानते हैं कि वे गलत हैं। हमारे शिक्षा तंत्र में व्याप्त मार्क्सवादी माहौल ने बच्चों और युवाओं के दिमाग में झूठी कहानियों को व्यवस्थित रूप से बिठा दिया है। परिणामस्वरूप, ये छद्म-उदारवादी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कड़ा विरोध करते हैं, जिसका उद्देश्य प्रत्येक छात्र के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोण, जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। युवाओं को साम्यवाद का विचार विशेष रूप से आकर्षित करता है। समानता, सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता और क्रांति जैसे विषयों पर चर्चा करना कितना रोमांचक होता है! युवा मन ऐसे विषयों से प्रेरित हो सकता है। युवा स्वभाव से भावुक होते हैं। साम्यवाद हमें यथास्थिति को उखाड़ फेंकने और एक गैरकानूनी और अमानवीय क्रांति शुरू करने के लिए कहता है। परिणामस्वरूप, संविधान के विरुद्ध होने के बावजूद युवा वामपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित होते हैं। वे साम्यवाद की गहरी वास्तविकता को समझने में असमर्थ हैं। न केवल प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों के छात्रों बल्कि अमेरिका और कई यूरोपीय देशों जैसे पूंजीवादी देशों में भी साम्यवाद जहर फैला रहा है। इस विचारधारा की रणनीति है युवावस्था में उन्हें फंसाना और उनकी बुद्धि को भ्रमित करना। इसलिए, वे कॉलेज के छात्रों को निशाना बनाते हैं जो अभी तक हर स्थिति में अपने निर्णय लेने के लिए पर्याप्त परिपक्व नहीं हैं, लेकिन हाल ही में अपने माता-पिता के संरक्षण से मुक्त हुए हैं। अवसरवादी राजनेता और साम्यवादी इस खामी का फायदा उठाकर छात्रों के दिमाग में झूठ, अधूरी सच्चाई और आकर्षक भाषा का इस्तेमाल करके गलत धारणाएं भर देते हैं। कहा जाता है कि प्राचीन चीन में "हिरण की ओर इशारा करके उसे घोड़ा कहना" आम बात थी। अगर सार्वजनिक रूप से आपसे सवाल किया जाता और आप यह मानने से इनकार कर देते कि वह घोड़ा है तो आपको समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता था। दुर्भाग्य से, यह चर्चा आजकल सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है। इस मिथक के बार-बार फैलने के कारण कई युवा अब इसे घोड़ा समझते हैं- हालांकि ऐसा करने के लिए वे मजबूर नहीं हैं। वोकवाद उन लोगों का समूह है जो वास्तव में अनपढ़ और अज्ञानी हैं लेकिन खुद को दुनिया का सबसे जानकार समझते हैं। ये लोग वामपंथी "वोक" संस्कृति का हिस्सा हैं। झूठ पर विश्वास करने के बावजूद वे सामाजिक मुद्दों के बारे में खुद को जानकार मानते हैं। संक्षेप में कहें तो वे बिना किसी जांच-पड़ताल के गलत जानकारी फैलाते हैं और किसी भी विषय में पूरी तरह से अनभिज्ञ हैं। वामपंथी "वोक" को अपने सामाजिक कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और बुद्धि को सुधारने के लिए बहुत मेहनत करनी होगी। इसका कारण यह है कि वोक वामपंथी विचारधारा पक्षपातपूर्ण और असंगत वामपंथी अवधारणाओं का एक समूह है, जिन्हें "समानता," "विविधता" और "समावेश" के नाम से जाना जाता है। जो कोई भी "वोक" वामपंथियों से असहमत होता है, उन पर वे अक्सर बेरहमी से हमला करते हैं। मार्क्सवाद/साम्यवाद वोकवाद एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं है; यह एक मजहबी व्यवस्था है। मजहब का उद्देश्य मौजूदा राजनीतिक या सांस्कृतिक संरचनाओं को उखाड़ फेंकना है। वोकवाद नई अवधारणाओं के विश्लेषण और शोध में बाधा डालता है। यह एक खोखली विचारधारा है जो नैतिक सेना का रूप धारण करते हुए विविधता के नाम पर विचारों की विविधता को सीमित करती है। वे परिस्थितियों की कोई जानकारी या समझ रखे बिना खुद को न्याय का सर्वोच्च रूप बताते हैं। भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों में मार्क्सवादी-इस्लामी गठबंधन इसका प्रमाण है। परिणामस्वरूप, अब अन्य भारतीय अल्पसंख्यकों के साथ-साथ मुख्यधारा के हिंदू समाज के प्रति भी शत्रुता का भाव पनप रहा है। इस तरह की बातचीत सनातन धर्म के बारे में अपमानजनक और भ्रामक कहानियों के प्रसार को बढ़ावा देती है।

मेष राशिः आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना चाहिए। लवमेट एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे, कहीं बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। घर के बडों से नई बात आप सीखेंगे। आज काफी दिनों से आपका रुका काम पूरा हो जायेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे। आप अपनी बातों को अपने पिता से जरूर शेयर करें, इससे जीवन में चल रही परेशानियों का हल मिलेगा। मिलजुल कर किये गए कार्यो में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी। निवेश के मामले में आपको घर के बडों से अच्छी सलाह मिलेगी। काम की जगह बदलने से आपकी ऊर्जा में बदलाव आएगा।

मिथुन राशिः आज नए कार्यों करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा, आप किसी मंदिर जा सकते हैं जहां आपको ख़ुशी मिलेगी। करियर में आप नये आयाम स्थापित करेंगे। परिवार में किसी सदस्य को सरकारी नौकरी मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आज आप किसी व्यक्ति के बहकावे में आकर कहीं निवेश न करें। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको नयी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं, जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं वे आज अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज कारोबार में पैसा लगाने से पहले बडों की राय लेना आपके लिए बेहतर होगा। बड़े बुजुर्गों के पैर छुए, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

कन्या राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ो की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा। आज पारिवारिक अनबन समाप्त होने से घर में सौहार्द का वातावरण रहेगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी। आज आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। छात्र आज कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, आपको अपने दिनचर्या में कुछ बदलाव करने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके विरोधी आपके काम की सराहना करेंगे। आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। नौकरी करने वाले लोगों को सहयोगियों से मदद मिलेगी, जिससे आपका कार्य जल्दी पूरा हो जायेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप सामाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी आज आपको खुशियां देंगे। आज कार्यों में माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपके काम समय से पूरे हो जायेंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हए धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दाम्पत्य जीवन में और मधुरता आएगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है, पार्टी में नयी जिम्मेदारी मिलेगी। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल होगी।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज शुभ समाचार मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। आपके मन में किसी व्यक्ति की मदद करने का भाव आयेगा। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं। आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर लोगों के सामने आयेगी । आपकी आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी।

कब सामने आएगी तीन बच्चियों की मौत की असली वजह?

मनोज कुमार अग्रवाल

बीती चार फरवरी को गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों (निशिका 16, प्राची 14, और पाखी 12 वर्ष) की मौत की वारदात के पीछे की सच्चाई सामने नही आई है। इन तीनों ने भारत सिटी सोसाइटी की 9वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इस मामले को आत्महत्या ही माना जा रहा है, लेकिन लड़की के पिता से जुड़े हैरान करने वाले खुलासे हो रहे हैं और उसका स्वयं का चरित्र विश्वसनीयता से परे है। आपको पता है कि बताया गया कि तीनों बच्चियां कोरियन गेम्स और ऑनलाइन कंटेंट की गंभीर लत में फंस चुकी थीं। परिवार द्वारा उन्हें इन गतिविधियों से दूर करने की कोशिश की गई, जिससे वे मानसिक रूप से टूट गईं और कथित तौर पर नौवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट से कूदकर अपनी जान दे दी। अब वहीं, दूसरी थ्योरी भी निकलकर सामने आ रही है। अब कहा जा रहा है कि मरने वाले बच्चियों के पिता आर्थिक तंगी से परेशान था। बिजली का बिल भरना था उसके लिए पैसे नहीं थे इसलिए उन्होंने बेटियों का फोन बेंच दिया, जिसके बाद से परिवार में महौल बिगड़ गया। इसके पहले लड़कियों के पिता चेतन ने ही बयान दिया था कि तीनों लड़कियां कोरियन गेम खेल रही थीं, जिसमें लास्ट टास्क पूरा करना था और उसके लिए उन्होंने छत से कूदकर अपनी जान दे दीं। अब पुलिस को इन गोलमटोल बयानों से संदेह और गहरा हो गया है। तीन बहनों के सुसाइड मामले के पार्श्व में कुछ असहज हकीकत छिपी हैं। पुलिस जितनी गहराई से जांच कर रही है, मामला उतना ही उलझता जा रहा है। अब तक यह जानकारी सामने आई थी कि मृत बच्चियों के पिता की तीन शादियां हुई थीं और उनके पांच बच्चे थे, लेकिन अब नए तथ्य सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पिता के एक चौथी महिला से भी संबंध थे, जिसकी मौत भी छत से गिरने के कारण हुई थी। इतना ही नहीं, उस महिला की मौत के बाद उसके ही एक रिश्तेदार के साथ संबंध बने, जिससे वह गर्भवती हो गई। यह सारी बातें बच्चियों के पिता चेतन ने पूछताछ के दौरान कबूल की हैं। पुलिस पूछताछ में जब मृत बच्चियों के पिता चेतन से उसकी शादियों और लिव-इन पार्टनर की मौत को लेकर सवाल किए गए, तो उसने तीन शादियां करने और एक महिला की मौत की बात स्वीकार की। चेतन ने बताया कि उसकी पहली पत्नी सुजाता है, लेकिन दोनों की कोई संतान नहीं हुई। इसके बाद सुजाता की सहमति से उसने अपनी सगी साली हिना से शादी कर ली। आगे चलकर चेतन का सीलमपुर में ससुराल के पड़ोस में रहने वाली तब्बू से संबंध बन गया और करीब नौ साल पहले वह उसे राजेंद्रनगर स्थित फ्लैट में साथ रहने के लिए ले आया। इसके बाद घर में लगातार विवाद होने लगे। वर्ष 2018 में तब्बू की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। चेतन ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार करते हुए कहा कि घटना के वक्त वह घर पर मौजूद नहीं था और पुलिस जांच में उसे पहले ही क्लीन चिट मिल चुकी है। आपको बता दें कि तीन नाबालिग बहनों द्वारा बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या की गुत्थी उलझती जा रही है. एक पिता, दो मां और कुल पांच भाई बहन होने के चलते उलझे हुए रिश्ते और कोरियन गेम की लत वाली थ्योरी को लेकर बारीकी से जांच जारी है. महज 12, 14 और 16 साल की नाबालिग लड़कियों के पिता ने साफ साफ कहा कि उनकी बेटियों को कोरिया जाना था. परिवार के मुताबिक, तीनों बहनें कोई कोरियन गेम खेलने की आदि थीं. ये ऑनलाइन टास्क बेस्ड कोरियन लवर गेम खेला करती थीं. तीनों लड़कियों की आदत इस तरह हो चुकी थी कि वे नहाने, खाने, स्कूल जाने और सोने जैसे रोजमर्रा के सभी काम एक साथ किया करती थीं. इसी तरह तीनों ने एक साथ इमारत से कूदकर आत्महत्या की. इस घटना से परिवार सदमे में है. हालांकि, सच क्या है ये सवाल अभी भी सवाल ही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि तीनों बहनों ने अपना एक यूट्यूब चैनल शुरू किया था. इस चैनल पर वे कोरियन कल्चर, कोरियन ड्रामा, म्यूजिक और वहां के रहन-सहन से जुड़े वीडियो अपलोड करती थीं. यह चैनल काफी पॉपुलर हो चुका था और इसके लगभग 2000 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स थे. जब पिता को इस चैनल और बेटियों की कोरियन कल्चर के प्रति बढ़ती दीवानगी का पता चला, तो उन्होंने वह यूट्यूब चैनल डिलीट करवा दिया. पिता का यह कदम बेटियों को रास नहीं आया और वे उनसे नाराज रहने लगीं. बेटियों को लगा कि उनकी 'डिजिटल पहचान' छीन ली गई है.पिता ने कैमरे पर आए बिना बताया कि बच्चों ने कोरियन पर्सनैलिटी बनाई थी और अपना नाम बदल दिया था ये सच है. लॉस था मेरा 20-30 लाख का, लेकिन ये वजह खुदकुशी की नहीं हो सकती है. वे बोलते थे हम कोरिया जाएंगे, कोरिया ले चलो, इंडियन के नाम से गुस्सा आ जाता था, बच्चे तो इंडिया के नाम पर खाना तक नहीं खाते थे. उन्होंने कहा- हम चाहते हैं कोरियन ड्रामा, वीडियो जो भी चल रहे हैं जिनसे बच्चे एडिक्ट हो रहे हैं वे सभी बन्द होने चाहिए. बच्चे ऐसी चीजें तीन चार साल से देख रहे थे. वो कहते थे कि कोरिया नहीं गए तो मर जाएंगे.घर की छानबीन में पुलिस को पता चला कि लड़कियों ने अपना कमरा पूरी तरह कोरियन स्टाइल में सजा रखा था. वे अपनी सबसे छोटी बहन को 'देवु' और अन्य को 'लीनो' व 'कुइना' जैसे कोरियन नामों से बुलाती थीं. चौंकाने वाली बात यह है कि जिन बच्चों से उन्हें चिढ़ थी, उन्हें वे 'बॉलीवुड नाम' देकर संबोधित करती थीं. वे कोरिया की रीति-रिवाजों के अनुसार ही प्रभावित करना चाहती थीं और पूरी तरह उसी संस्कृति में ढल चुकी थीं. इन तीनों मासूमों की मौत के पीछे जिस तरह कोरियन गेम और मोबाइल इंटरनेट से प्रभावित हो रही किशोरावस्था को जोडने की कोशिश की जा रही है वह अधूरा सच मालूम पड़ती है। दरअसल एक रियल स्टेट कारोबारी द्वारा तीन तीन शादी करना और इसके बावजूद लिवइन रिलेशन बनाना और एक लिव-इन पार्टनर की संदिग्ध परिस्थितियों में इसी तरह फ्लोर से कूदकर सुसाइड करना तीनों अभागी बच्चियों के पिता के एक ऐसे चरित्र को उद्घाटित कर रहा है जो बेहद अय्याश किस्म का मालूम पड़ता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं। कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा

टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

एजेंसी, कोलंबो

मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है। सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।' पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे। दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

सितंबर में फिर आमने-सामने होंगे फ्लॉयड मेवेदर और मैनी पैकियाओ, लास वेगास के स्फीयर में ऐतिहासिक रीमैच

एजेंसी, लॉस एंजिलिस

दिग्गज मुक्केबाज़ फ्लॉयड मेवेदर जूनियर और मैनी पैकियाओ ने अपने चर्चित 2015 मुकाबले के रीमैच पर सहमति जता दी है। दोनों महान खिलाड़ी 19 सितंबर को लास वेगास में एक बार फिर आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला लास वेगास के अत्याधुनिक वेन्यू स्फीयर में आयोजित किया जाएगा और इसे नेटफ्लिक्स पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। करीब 49 वर्ष के मेवेदर ने हाल ही में नौ साल के प्रतिस्पर्धी संन्यास को समाप्त करने की घोषणा की थी। वहीं 47 वर्षीय पैकियाओ भी चार साल के अंतराल के बाद दोबारा रिंग में लौटे हैं। दोनों मुक्केबाज़ों ने अभी तक रीमैच के लिए वज़न वर्ग और राउंड की संख्या की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि 2015 में हुए उनके पहले मुकाबले में मेवेदर ने निर्णायक जीत दर्ज की थी। हालांकि वह मुकाबला लंबे समय से बनी उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया, लेकिन कमाई के मामले में उसने पे-पर-व्यू के कई रिकॉर्ड तोड़े थे और वैश्विक स्तर पर भारी चर्चा बटोरी थी। मेवेदर ने बयान में कहा कि नतीजा पहले जैसा ही रहेगा, जबकि पैकियाओ ने दावा किया कि पिछली बार वह चोट के बावजूद लड़े थे और इस बार प्रशंसकों को बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ी अपने करियर के चरम से आगे निकल चुके हैं, लेकिन लोकप्रियता के मामले में आज भी दुनिया के सबसे बड़े नामों में गिने जाते हैं। ऐसे में सितंबर में होने वाला यह रीमैच बॉक्सिंग जगत की सबसे बहुप्रतीक्षित भिड़ंतों में से एक माना जा रहा है।

धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

एजेंसी, रांची

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइक्स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले-डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो-स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया। इसका कारण है कि यह पुरानी टेक्नोलॉजी वाली बाइक थी और प्रदूषण के नये मानकों पर खरी नहीं उतरी। यह बाइक कस्टमाइजेशन के कारण काफी लोकप्रिय हुई है। इससे भारत में कभी भी आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया गया केवल ये आयात की गयी है। ये एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों की दुनिया में एक 'टाइम मशीन' की तरह है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 399सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन है। इस बाइक की ट्यूनिंग इस तरह की गई है कि यह कम रफ्तार पर भी काफी अच्छी चलती है।इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट का विकल्प भी नहीं है और किक से स्टार्ट होती है। ये ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी काफी अच्छे से चलती है। इसमें सिग्नेचर टीयरड्रॉप फ्यूल टैंक, गोल हेडलाइट और चमकता हुआ क्रोम एग्जॉस्ट दिया गया है। ये बाइक 130-140 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक जा सकती है।

प्रीमियर लीगः सुपर सब बेंजामिन सेस्को के गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एवर्टन को 1-0 से हराया

एजेंसी, लिवरपूल

प्रीमियर लीग 2025-26 में सोमवार को खेले गए मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एवर्टन को 1-0 से हराकर महत्वपूर्ण तीन अंक हासिल किए। जीत के नायक एक बार फिर सुपर सब बेंजामिन सेस्को बने, जिन्होंने मैदान पर उतरने के 13 मिनट बाद निर्णायक गोल दागा। सेस्को ने पिछले चार मैचों में तीसरी बार बेंच से आकर गोल किया और टीम को अहम अंक दिलाए। मैच के 71वें मिनट में उन्होंने शानदार फिनिश के साथ गेंद को गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड के पार पहुंचाया। यह गोल पूरे मैच का सबसे बेहतरीन मूव था। हमले की शुरुआत मैथियस कुन्हा की लंबी पास से हुई, जिसे ब्रायन म्बेउमो ने बेहतरीन तरीके से कंट्रोल किया और सटीक पास सेस्को को दिया। सेस्को ने बिना गलती किए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। अंतरिम कोच माइकल कैरिक ने गोल की तारीफ करते हुए इसे आत्मविश्वास से भरा और निर्णायक फिनिश बताया। मैच का अधिकांश समय दोनों टीमों की डिफेंस हावी रही। भारी पिच के कारण खेल की रफ्तार धीमी रही और आक्रमण में धार कम नजर आई। हालांकि यूनाइटेड ने जवाबी हमले में अपनी ताकत दिखाई और एकमात्र मौके को गोल में बदल दिया। इस जीत के साथ चौथे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर यूनाइटेड ने चेल्सी और लिवरपूल पर तीन अंकों की बढ़त बना ली है। टीम अब एस्टन विला से तीन अंक पीछे है। साथ ही, 13 जनवरी को रुबेन अमोरिम की जगह जिम्मेदारी संभालने वाले कैरिक की टीम लगातार छह मैचों से अजेय है। वहीं एवर्टन के लिए यह हार यूरोपीय प्रतियोगिताओं में जगह बनाने की उम्मीदों को झटका है। टीम नौवें स्थान पर खिसक गई है और चेल्सी व लिवरपूल से आठ अंक पीछे हो गई है। कोच डेविड मोयेस ने कहा कि उनकी टीम ने अच्छा प्रयास किया, लेकिन जवाबी हमले में गोल खा बैठी और गुणवत्ता की कमी के कारण मौके भुना नहीं सकी।

व्यापार

आईटी सेक्टर की आंधी में उड़ा शेयर बाजार, बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेत, आईटी सेक्टर के शेयरों में जोरदार बिकवाली, रुपये की कमजोरी और क्रूड ऑयल की कीमत में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज एक बार फिर बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। हालांकि दोपहर 1:30 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इन दोनों सूचकांकों की स्थिति में निचले स्तर से मामूली सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.28 प्रतिशत और निफ्टी 1.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार में आईटी सेक्टर में सबसे अधिक 4.74 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह रियल्टी इंडेक्स भी आज दो प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गया। इसके अलावा बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी गिरावट का शिकार होकर लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, मेटल, हेल्थ केयर, एफएमसीजी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 465.81 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.38 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,367

शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,422 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,802 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 143 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,937 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 835 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,102 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 242.12 अंक की कमजोरी के साथ 83,052.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी और बढ़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 1:30 बजे तक सेंसेक्स 1,359.93 अंक टूट कर 81,934.73 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होता हुआ नजर आया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स निचले स्तर से 291.19 अंक की रिकवरी करके 1,068.74 अंक की गिरावट के साथ 82,225.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 71.20 अंक टूट कर 25,641.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से इस सूचकांक की कमजोरी भी बढ़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 1:30 बजे के करीब ये सूचकांक 385.40 अंक फिसल कर 25,327.60 अंक के स्तर पर आ गया।

सोने में नरमी, चांदी में तेजी, घरेलू और वैश्विक बाजार में मिलाजुला रुख

सोना 551 रुपए गिरकर 1,61,047 पर, चांदी 4,20,048 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने के दामों में नरमी जबकि चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 829 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,769 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,61,598 रुपये था। इस समय यह 551 रुपये की कमजोरी के साथ 1,61,047 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान सोना 1,61,171 रुपये के उच्च स्तर तक गया, जबकि 1,60,615 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष अब तक सोना 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 1,888 रुपये की तेजी के साथ 2,67,221 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,65,333 रुपये था। फिलहाल यह 672 रुपये की बढ़त के साथ 2,66,005 रुपये पर कारोबार कर रहा था। सत्र के दौरान चांदी ने 2,67,500 रुपये का उच्च और 2,64,327 रुपये का निचला स्तर दर्ज किया। इस साल चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुकी है। वैश्विक स्तर पर भी शुरुआत मजबूती के साथ हुई, लेकिन बाद में सोने में दबाव दिखा। कॉमेक्स पर सोना 5,247.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 5,225.60 डॉलर था। बाद में यह 35.20 डॉलर गिरकर 5,190.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। इस वर्ष सोना 5,586.20 डॉलर प्रति औंस तक जा चुका है। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 88.04 डॉलर पर खुली और 0.56 डॉलर की तेजी के साथ 87.13 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती नजर आई। इस साल चांदी 121.79 डॉलर के उच्च स्तर को छू चुकी है।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 8.1 फीसदी रह सकती है जीडीपी ग्रोथः एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच चालू वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में देश की सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ 8.1 फीसदी के करीब रह सकती है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने मंगलवार को जारी अपनी ताजा रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही में देश की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 8.1 फीसदी के करीब रहने का अनुमान जताया है। सरकार ने बेस ईयर 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है, जिसके तहत जीडीपी के नए आंकड़े शुक्रवार, 27 फरवरी को जारी होंगे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय नए बेस ईयर 2022-23 के आधार पर जीडीपी के आंकड़े जारी करेगा। नया बेस ईयर डिजिटल कॉमर्स और सर्विस सेक्टर के बढ़ते प्रभाव को बेहतर ढंग से दर्शाएगा। मंत्रालय की ओर से जीडीपी के पहली अग्रिम अनुमान रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी मूडीज एनालिटिक्स की एक रिपोर्ट यह संकेत देती है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 15 फीसदी एकमुश्त टैरिफ से ग्लोबल ट्रेड और विशेष रूप से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के व्यापारिक समीकरणों में बड़े बदलाव आ सकते हैं। अमेरिकी व्यापार नीतियों में हो रहे बड़े बदलावों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था अपने मजबूत घरेलू आधार के दम पर मजबूती से खड़ी है।

रेवा डायमंड ज्वेलरी का आईपीओ लॉन्च, चार मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। ज्वेलरी प्रोडक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड का 380 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 26 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर चार मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12 बजे तक कंपनी के इस आईपीओ को सिर्फ 0.05 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 367 रुपये से लेकर 386 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 32 शेयर का है। रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को न्यूनतम एक लॉट यानी 32 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 12,352 रुपये का निवेश करना होगा। रिटेल इनवेस्टर्स इस आईपीओ में अधिकतम 16 लॉट यानी 512 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,97,632 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस

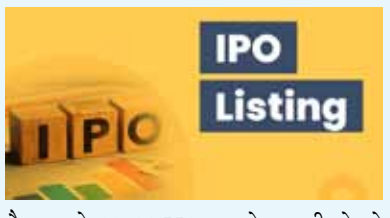

वैल्यू वाले 98,44,559 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसमें एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 44.94 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। आईपीओ लॉन्चिंग के एक दिन पहले कल यानि सोमवार को रेवा डायमंड ज्वेलरी ने एंकर इन्वेस्टर्स से 170.58 करोड़ रुपये की राशि जुटाने में सफलता हासिल की। कंपनी ने 16 एंकर इन्वेस्टर्स को 386 रुपये प्रति शेयर के भाव पर कुल 44.19 लाख शेयर आवंटित किए। कंपनी के एंकर बुक में कई बड़े इन्वेस्टर ने अपने रुचि दिखाई है। इनमें टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड ने 40 करोड़ रुपये के निवेश से सबसे अधिक 10.36 लाख शेयर खरीदे हैं। इसी तरह टाइगर स्ट्रेटजीज फंड ने 24 करोड़ रुपये और सेजवन फ्लैगशिप ग्रोथ फंड ने 20 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके अलावा ग्रो म्युचुअल फंड, सिटी ग्रुप ग्लोबल और सोसायटी जनरल जैसे दिग्गज इन्वेस्टर भी कंपनी के एंकर बुक में शामिल हुए हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 51.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 42.41 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 59.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 20.13 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा।

रुपया सात पैसे टूटकर 90.96 प्रति डॉलर पर

घरेलू शेयर बाजारों की खराब शुरुआत से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा

मुंबई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों की खराब शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला, हालांकि विदेशी निवेशकों के निवेश ने इसे सहारा दिया एवं तेज गिरावट को रोक दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला। फिर टूटकर 90.96 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को पांच पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.89 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.81 पर रहा।

रजनीकांत-कमल हासन की फिल्म केएचएक्सआरके का प्रोमो वीडियो जारी

लगभग आधी सदी (47 साल) के लंबे इंतजार के बाद, दक्षिण भारतीय सिनेमा के दो सबसे बड़े महानायक रजनीकांत और कमल हासन एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं. इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं. इस फिल्म का नाम अभी नहीं बताया गया है. फिलहाल इस मेगा-प्रोजेक्ट को अस्थायी रूप से केएचएक्सआरके नाम दिया गया है. शनिवार को इस फिल्म के निर्माताओं ने इसका पहला प्रोमो वीडियो जारी किया. इस प्रोमो वीडियो में एक जबरदस्त रेट्रो और गैंगस्टर-स्टाइल थीम दिखाई गई है. वीडियो की शुरुआत काफी मजेदार अंदाज में होती है, जहां निर्देशक नेल्सन को एक गलियारे में घबराहट के साथ चलते हुए देखा जा सकता है. वे इस उलझन में नजर आते हैं कि उन्हें पहले रजनीकांत के कमरे में जाना चाहिए या कमल हासन के. ठीक उसी समय, संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर अपनी एक अलग दुविधा के साथ वहां आते हैं. वे नेल्सन से पूछते हैं कि उन्हें फिल्म के संगीत के लिए कौन सा राग चुनना चाहिए. अपनी दो उंगलियां दिखाते हुए, अनिरुद्ध नेल्सन को संदेह होने पर कोई एक चुन लें वाला क्लासिक तरीका अपनाने का सुझाव देते हैं. अनिरुद्ध को फैसला लेने में मदद करने के बाद, नेल्सन इसी ट्रिक का इस्तेमाल अपनी बड़ी उलझन सुलझाने के लिए करते हैं. यानी दोनों दिग्गजों में से किसी एक को चुनने के लिए. इसके बाद एक मजेदार मोंटाज (दृश्यों का सिलसिला) आता है, जिसमें नेल्सन दोनों अभिनेताओं को तैयार होने में मदद करते हुए दिखाई देते हैं. वे मजाकिया अंदाज में उनके सामान और कपड़ों को आपस में मिला देते हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ दावा करते हैं कि एक खास जूता रजनीकांत का है, जिससे दोनों सितारे साफ तौर पर चिढ़ते हुए नजर आते हैं. इसके बाद प्रोमो का मिजाज पूरी तरह बदल जाता है. वीडियो में बेहद नाटकीय अंदाज में कमल हासन और रजनीकांत के स्टाइलिश लुक का खुलासा होता है. दोनों सितारे फुल-लेंथ लेदर जैकेट पहने नजर आ रहे हैं, जो एक जबरदस्त रेट्रो गैंगस्टर वाइब दे रहा है. वे पूरे टशन के साथ एक अंधेरे गैरेज में खड़ी कार की ओर बढ़ते हैं. कमल हासन ड्राइवर की सीट संभालते हैं जबकि रजनीकांत उनके बगल में बैठते हैं। यह क्लिप एक दमदार मोड़ पर खत्म होती है जब दोनों नेल्सन की ओर मुड़ते हैं और उससे पूछते हैं, हीरो कौन है? इससे पहले, निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर जारी किया था. इस पोस्टर का डिज़ाइन विंटेज लुक वाला था, जिसमें लेदर जैकेट पहने दो पुरुषों के हाथ दिखाए गए थे. उनके हाथों में सोने की घड़ी और एक अंगूठी नजर आ रही थी, जो उनके क्लासिक रेट्रो स्वैग (पुराने दौर के टशन) की ओर इशारा कर रही थी. पोस्टर पर टैगलाइन लिखी थी- कुछ लोग नियम बनाते हैं, कुछ लोग राज करते हैं. कमल हासन और रजनीकांत को आखिरी बार 1979 की फिल्म अलाउद्दीनम अल्भुथा विलक्कुम में एक साथ देखा गया था. इससे पहले उन्होंने अपूर्व रागंगल, अवरगल, मुंद्रू मुदिचू और पतिनारु वयथिनिले जैसी क्लासिक फिल्मों में भी स्क्रीन साझा की है. कमल हासन और रजनीकांत ने 1985 में बनी हिंदी फिल्म गिरफ्तार में एक साथ काम किया था. हालांकि, इस फिल्म में दोनों के एक साथ कोई दृश्य नहीं थे.

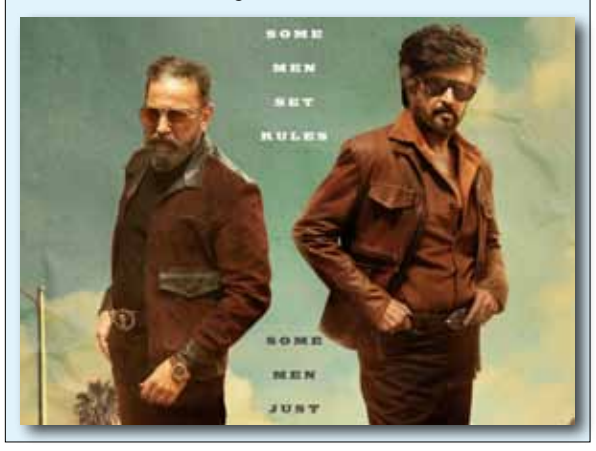

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स की अगली भव्य फ़ीचर फ़िल्म में अनूपमा परमेश्वरन

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स ने अपनी आगामी फ़ीचर फ़िल्म की आधिकारिक घोषणा कर दी है, जिसमें पैन-साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री अनूपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिका में नज़र आएंगी। यह एक सघन मनोवैज्ञानिक थ्रिलर होगी, जिसका निर्देशन शान करेंगे और निर्माण शिविन नरंग, प्रेरणा अरोड़ा और किरण बल्लापल्ली द्वारा एक अग्रणी स्टूडियो के सहयोग से किया जाएगा। यह फ़िल्म निर्देशक शान के साथ अनूपमा परमेश्वरन की बड़े पर्दे पर वापसी का प्रतीक है। इससे पहले दोनों की लघु फ़िल्म को जबरदस्त सराहना मिली थी। डिजिटल मंच पर मिली उस सफलता के बाद अब यह सहयोग एक पूर्ण रूप से सिनेमाई अनुभव में परिवर्तित हो रहा है, जिसमें व्यापक पैमाना, गहराई और प्रभाव देखने को मिलेगा। फ़िल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने वाली है, जबकि शीर्षक की घोषणा बाद में की जाएगी। इस परियोजना की घोषणा अनूपमा परमेश्वरन के जन्मदिन के अवसर पर की गई, जिससे यह पल और भी विशेष बन गया। निर्माताओं ने अभिनेत्री को शुभकामनाएँ देते हुए एक भावनात्मक और सशक्त सिनेमाई यात्रा की झलक भी पेश की। इस सहयोग पर अपनी बात रखते हुए निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा,इस फ़िल्म में अनूपमा परमेश्वरन के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास है। उनमें सहज आत्मविश्वास, भावनात्मक सच्चाई और पात्रों को गहराई से समझने की दुर्लभ क्षमता है, जो विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों से सीधे जुड़ती है। अलग-अलग भाषाओं में दर्शकों के साथ उनका स्वाभाविक जुड़ाव मैंने हमेशा सराहा है। यह परियोजना उनके अभिनय की ताक़त को नए स्तर पर प्रस्तुत करने का एक आदर्श मंच है। उन्हें इस फ़िल्म का नेतृत्व करते हुए देखकर मैं सचमुच उत्साहित हूँ और इस रचनात्मक यात्रा की शुरुआत का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ। एस के जी एंटरटेनमेंट ने हाल ही में जटाधारा रिलीज़ की है, जिससे उसके विविध और मज़बूत प्रोडक्शन स्लेट को और मजबूती मिली है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित निर्माता प्रेरणा अरोड़ा इससे पहले रुस्तम, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पैड मैन और परी जैसी चर्चित फ़िल्मों का निर्माण कर चुकी हैं और निरंतर कंटेंट-प्रधान तथा दर्शक-केंद्रित सिनेमा का समर्थन करती रही हैं। अनूपमा परमेश्वरन आज दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा और मांग में रहने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हैं। प्रेमम, कार्तिकेय 2, डीजे टिल्लू और राक्षसुडु जैसी फ़िल्मों में उनके अभिनय को व्यापक सराहना मिली है। वे तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में लगातार दर्शकों का दिल जीतती आ रही हैं और पैन-इंडियन पहचान बनाए हुए हैं। मजबूत शैली, अनुभवी रचनात्मक टीम और केंद्रीय भूमिका में प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, अनूपमा परमेश्वरन और प्रेरणा अरोड़ा का यह सहयोग दर्शकों के लिए एक यादगार और रोमांचक सिनेमाई अनुभव लेकर आने के लिए तैयार है।

तापसी पन्नू को मृणाल ठाकुर ने दी पटखनी, अस्सी से आगे निकली दो दीवाने शहर में, ओ रोमियो का जलवा बरकरार

बॉलीवुड के लिए ये शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक साबित नहीं हुआ। तापसी पन्नू की अस्सी, जिसे समीक्षकों से तो सराहना मिली, लेकिन दर्शकों को खींचने में ये फिल्म पहले दिन पूरी तरह विफल रही, वहीं युवाओं के बीच चर्चा बटोर रही मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की दो दीवाने शहर में ने भी बॉक्स ऑफिस पर बेहद ठंडी शुरुआत की है। हालांकि, दो दीवाने शहर में की पहले दिन की कमाई ने अस्सी को पछाड़ दिया है। सैकनिल्क के मुताबिक, अस्सी ने अपने पहले दिन देशभर में मात्र 1 करोड़ रुपये कमाए। ये आंकड़ा इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि इस साल आई यामी गौतम की महिला केंद्रित की छोटे बजट की फिल्म हक भी कमाई के मामले में इससे आगे रही। इसने भी 1.75 करोड़ रुपये बटोरे थे। मुल्क और थप्पड़ जैसी सफल फिल्मों के बाद निर्देशक अनुभव सिन्हा और तापसी इस बार अस्सी लेकर आए, जिसे तारीफ तो खूब मिली, लेकिन दर्शक नसीब नहीं हुए। फिल्म समीक्षकों और ट्रेड पंडितों का स्पष्ट मानना है कि अस्सी जैसी गंभीर और विषय-प्रधान फिल्मों का भविष्य पूरी तरह से वर्ड ऑफ माउथ यानी दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है। पहले दिन की सुस्त शुरुआत के बाद फिल्म के पास संभलने के लिए अब केवल वीकेंड का ही सहारा है। अब अगर शनिवार और रविवार को फिल्म की कमाई में बढ़िया उछाल नहीं आता तो सोमवार से फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर टिक पाना नामुमकिन हो जाएगा। उधर दो दीवाने शहर में ने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये कमाए। हालांकि, ये आंकड़ा बड़ा नहीं है, लेकिन तापसी अस्सी (1 करोड़) के मुकाबले ये फिल्म की बढ़त बनाने में कामयाब रही। फिल्म और मल्टीप्लेक्स दर्शकों का साथ मिला है। रवि उदयावर के निर्देशन वाली ये फिल्म मुंबई के 2 युवाओं की कहानी है, जो अपनी कमियों और अकेलेपन के बीच प्यार तलाशते हैं। शहरी युवाओं को इसकी कहानी खूब भा रही है। दूसरी ओर शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूती से बनाए हुए है। अपने दूसरे हफ्ते में होने के बावजूद ये नई रिलीज फिल्मों (अस्सी और दो दीवाने शहर में) पर भारी पड़ रही है।

आ गया कोंकणा सेन शर्मा की अक्यूज्ड का ट्रेलर, 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी साइकोलॉजिकल थ्रिलर

नेटफ्लिक्स ने इस महीने की शुरुआत में ओटीटी पर रिलीज होने जा रहीं फिल्मों और सीरीज का ऐलान किया था। इसमें साइकोलॉजिकल थ्रिलर अक्यूज्ड का नाम भी शामिल था, जिसने दर्शकों के बीच हलचल पैदा कर दी। कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर अक्यूज्ड का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया गया, जो सस्पेंस और थ्रिलर से भरा हुआ है। अनुभूति कश्यप द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा लीड रोल में नजर आने वाली हैं। अक्यूज्ड के ट्रेलर की बात करें तो ये पोलैंड में सेट एक सस्पेंस-ड्रामा है, जिसकी कहानी का केंद्र डॉक्टर गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा) और उसकी लेस्बियन पार्टनर मीरा (प्रतिभा रांटा) हैं। गीतिका, पोलैंड के एक जाने-माने हॉस्पिटल में एचओडी के तौर पर काम कर रही है और एक मशहूर गायनेकोलॉजिस्ट है। वह डीन बनने की तैयारी कर रही है और अपनी पार्टनर मीरा के साथ मिलकर बच्चे अडॉप्ट करने की प्लानिंग करती है। तभी वो सोशल मीडिया पर ट्रोल्स के निशाने पर आ जाती है। उस पर यौन दुराचार के आरोप लगते हैं, जिसके चलते गीतिका की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में भूचाल आ जाता है। इसके पीछे कौन है और सच क्या है, इसका पता अक्यूज्ड देखने पर ही चलेगा। जानकारी के लिए बता दें कि अक्यूज्ड का निर्माण करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्वा मेहता और सोमेन मिश्रा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होना शुरू हो जाएगी। मेकर्स ने ट्रेलर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा- एक गुमनाम संदेश। और मीरा और गीतिका की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है। 27 फरवरी को रिलीज़ हो रही अक्यूज़्ड सिर्फ नेटफ्लिक्स पर देखें। सोशल मीडिया यूजर्स ने अक्यूज्ड के ट्रेलर पर जकर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूट्यूब यूजर ने कमेंट किया, वाह! ये तो कमाल है!! दूसरे ने लिखा, हे भगवान! इसे देखकर मैं बहुत खुश हूं। कितना बढ़िया ट्रेलर है! मुझे कोंकणा बहुत पसंद हैं, ये मेरे पसंदीदा हैं। वहीं कुछ यूजर्स ने फिल्मांकन, साउंड और बैकग्राउंड म्यूजिक की भी सराहना की, एक यूजर ने लिखा, क्या शानदार फिल्मांकन, साउंड और बैकग्राउंड म्यूजिक है! कोंकणा और प्रतिभा के अलावा, फिल्म में मशहूर अमरोही भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट सीमा अग्रवाल और यश केसवानी ने लिखी है और इसका निर्देशन अनुभूति कश्यप ने किया है, जिन्होंने आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह की 2022 में आई फिल्म डॉक्टर जी का निर्देशन किया था।

ऋचा चड्ढा ने बयां किया करियर का शुरुआती अनुभव

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा ने अपने करियर की शुरुआत के दौरान एक कड़वे अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर वह बहुत भरोसा करती थीं, उसने उनके हितों के खिलाफ काम किया और उन्हें धोखा दिया था। ऋचा ने बताया कि इस घटना से उन्हें यह सबक मिला कि हर कोई आपका ध्यान नहीं रख सकता या आपके बारे में नहीं सोच सकता। ऋचा ने कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे यह कड़वा सबक मिला कि हर कोई आपका इतना ध्यान नहीं रखता। मैं भोली थी। कुछ लोग थोड़े से अंतर से भी खतरा महसूस करते हैं और नहीं चाहते कि आप उनसे आगे निकल जाएं या उनकी स्पॉटलाइट छीन लें। यह अनुभव उनके लिए काफी परेशान करने वाला था, लेकिन इससे उन्होंने अपनी पसंद का बचाव करना और सही लोगों पर भरोसा करना सीखा। उन्होंने इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह उनसे संपर्क करने में हिचकिचाएं नहीं। आम धारणा है कि बड़े एक्टर्स से अप्रोच करना मुश्किल होता है, लेकिन ऋचा ने इसे गलत बताया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, एक सोच है कि हमसे संपर्क करना कठिन है, लेकिन यह सच नहीं। मेरे लिए सिर्फ अच्छी स्क्रिप्ट, सच्ची राइटिंग और कहानी का असर मायने रखता है। मैं हमेशा सही कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं। ऋचा ने शुरुआती दिनों में कम आंके जाने की बात भी कही। वह चाहती हैं कि इंडी क्रिएटर्स बिना झिझक के अच्छे रोल और कहानियों के लिए संपर्क करें। ऋचा एक नई नॉन-फिक्शन सीरीज का निर्माण कर रही हैं। इसके जरिए ऋचा का मकसद दर्शकों को जानी-पहचानी जगहों को नई नजर से देखने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही कम जानी-पहचानी कहानियों को उजागर कर भारत की सांस्कृतिक गहराई और इंसानी जज्बे को सेलिब्रेट करना है। यह सीरीज ट्रैवल, कल्चर और भारत भर में लोगों और जगहों को परिभाषित करने वाली कहानियों पर आधारित होगी। यह जिज्ञासा और सहानुभूति से प्रेरित कहानी है। सीरीज भारत की विविधता समुदायों, परंपराओं और जीवन अनुभवों की कहानी को दिखाएगी। दर्शकों को आज के नजरिए से संस्कृति का जीवंत और इमर्सिव अनुभव मिलेगा।

सूरज बड़जात्या की नई सीरीज 'संगमरमर का टीजर रिलीज, जिम्मेदारी और इंतजार की दिखेगी अनोखी कहानी

सूरज बड़जात्या के राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत वेब सीरीज 'संगमरमर का टीजर आज रिलीज हो गया है। यह एक पारिवारिक ड्रामा प्रेम जो कर्तव्य और अटूट रिश्तों की थीम पर आधारित है। जियो हॉस्टार पर स्ट्रीम होने वाले इस शो के टीजर में जानिए क्या है खास? टीजर में एक कपल के बारे में दिखाया गया है, जो एक-दूसरे के प्यार में खोए हुए हैं और अपनी जिंदगी में काफी खुश हैं। सूरज बड़जात्या की कहानियों की खासियत से प्रेरित, संगमरमर भारतीय परिवारों के आपसी संबंधों और रिश्तों को लंबे समय तक बनाए रखने वाली खामोश ताकत को दिखाती है। जियो हॉटस्टार ने टीजर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा, 'ये कहानी प्यार की नहीं, जिम्मेदारी और इंतजार की है! विक्रम घई द्वारा निर्देशित इस सीरीज में शीन सविता दास और सौरभ राज जैन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही सीरीज में स्मिता बंसल, खालिद सिद्दीकी, फारूक सईद, जया ओझा और अविनाश वधवानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स के मुताबिक, यह कहानी एक महिला के व्यक्तिगत सफर को दर्शाती है। इसमें रोमांस, जिम्मेदारी और समय व दूरी की कसौटी पर खरे उतरने वाले भावनात्मक बंधनों पर जोर दिया गया है। टीजर से पता चलता है कि यह कहानी अनकहे भावों, मौन और प्यार के इर्द-गिर्द बुनी गई है। सीरीज की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। सीरीज जल्द ही जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम करेगी।

श्री विष्णु की फ़िल्म विष्णु विन्यासम 28 फरवरी को होगी रिलीज़

श्री विष्णु, जो अपने अनोखे ह्यूमर और नई कहानी कहने के तरीकों के लिए जाने जाते हैं, एक और मजेदार एंटरटेनर फ़िल्म विष्णु विन्यासम लेकर आ रहे हैं, जिसे डेब्यू कर रहे यदुनाथ मारुति राव डायरेक्ट कर रहे हैं। फ़िल्म में नयना सारिका फ़ीमेल लीड रोल में हैं, और श्री सुब्रह्मण्येश्वर सिनेमाज़ के बैनर तले सुमंत नायडू जी उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं। अनाउंसमेंट पोस्टर में श्री विष्णु एक क्लासिक बाइक पर आराम से आराम करते हुए दिख रहे हैं, उन्होंने फंकी प्रिंटेड शॉर्ट्स, एक रंगीन शर्ट, शेड्स और एक बेफ़िक्र वाइब पहनी हुई है। विष्णु विन्यासम एक मज़ेदार और रंगीन सिनेमैटिक राइड का वादा करती है, जिसमें श्री विष्णु एक ऐसे नौजवान का रोल कर रहे हैं जो अंधविश्वास, राशिफल और अजीब मान्यताओं से बंधा हुआ है। प्रमोशन पहले से ही ज़ोरों पर है, जिसमें टाइटल की झलक, एक मज़ेदार इंट्रोडक्टरी ट्रैक और एक सुकून देने वाला वैलेंटाइन्स डे रोमांटिक सिंगल है, जिसने दर्शकों को तुरंत पसंद आ गया। फिल्म में सपोर्टिंग एक्टर्स की एक टैलेंटेड टीम है, जिसमें सत्या, ब्रह्माजी, प्रवीण, मुरली शर्मा, श्रीकांत अय्यंगर, सत्यम राजेश, श्रीनिवास वडलामनी और गोपाराजू रमना शामिल हैं। श्री विष्णु की एक और फिल्म, मृत्युंजय, 27 27 फरवरी 2026 को रिलीज़ होने वाली है। उम्मीद है कि इस फिल्म में एक एक्टर के तौर पर उनकी वर्सेटिलिटी दिखेगी। विष्णु विन्यासम के साथ, श्री विष्णु एक ही दिन के गैप में दो फिल्मों के साथ अपने ह्यूमर और कहानी कहने के अनोखे मिक्स से एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं।

Canadian PM to visit India

New Delhi, Agency: Carney's visit is not only an effort to revive relations, but also an opportunity for Canada to reduce its dependence on the United States amid global trade challenges and build stronger economic ties with new partners in the Indo-Pacific region. Canadian Prime Minister Mark Carney is scheduled to visit India on February 26, 2026. According to a press release issued by the Canadian government, this visit is part of a comprehensive three-nation Indo-Pacific tour to India, Australia, and Japan, which will run from February 26 to March 7. The primary objective of this visit is to strengthen Canada-India bilateral relations, promote trade, and establish new ambitious partnerships in areas such as defense, energy, technology, artificial intelligence (AI), talent, culture, and defense. Carney will first arrive in Mumbai, where he will meet with leading business leaders to explore investment opportunities in Canada and promote business cooperation between the two countries. He will then travel to New Delhi, where he will meet with Prime Minister Narendra Modi. Both leaders will focus on deepening bilateral relations. This visit could mark a turning point in Canada-India relations, as relations had become extremely strained following accusations leveled by then-Canadian Prime Minister Justin Trudeau against India for the 2023 killing of Khalistani separatist Hardeep Singh Nijjar. India categorically rejected these accusations, calling them "absurd." This controversy led to India recalling several diplomats, including its High Commissioner, in October 2024, and Canada expelled an equal number of Indian diplomats. Diplomatic relations between the two countries reached a low point. However, the victory of Liberal Party leader Mark Carney in the Canadian parliamentary elections in April 2025 initiated a process of improving relations. Carney assumed office as Prime Minister in March 2025, and subsequently, both countries appointed High Commissioners to each other's capitals, easing tensions and opening the way for dialogue. What issues will be discussed? Carney's visit is not only an effort to revive relations, but also part of a strategy to reduce Canada's dependence on the United States amid global trade challenges and build stronger economic ties with new partners in the Indo-Pacific region. Discussions between the two leaders are expected to focus on trade agreements, defense agreements, AI and technology cooperation, the energy sector (such as critical minerals and clean energy), and defense partnerships.

Bitten by a dog, fearing rabies; young man takes dire step

New Delhi, Agency: A young man in Thane, Maharashtra, committed suicide out of fear after experiencing symptoms of rabies. Police stated that a suicide note recovered from the scene attributed the fear of rabies to this act, and his family members also confirmed this.

A heartbreaking incident has come to light from Kalyan, Maharashtra. A bank employee reportedly committed suicide due to fear of contracting rabies. It is reported that he was bitten by a stray dog ??a few days ago, and he was afraid of contracting the incurable disease. This fear led him to end his life.

According to a PTI report, the deceased has been identified as 30-year-old Vishwanath Amin. He was a resident of the Tisgaon Naka area of ??Kalyan East. A few days ago, Amin was bitten by a stray dog. He received a rabies injection in time, but even after this, some unusual changes began to occur in his body, which distressed him and led him to take this horrific step.

A large loan has been sought from the World Bank for the Old Gurugram Metro Project

How much has the Tender Documents submitted

Gurugram, Agency: Gurugram Metro Rail Limited (GMRL) has sought a loan from the World Bank for the construction of the Old Gurugram Metro Project. Last week, the tender documents for the second phase were submitted to the World Bank. Approval from the World Bank is expected to take about a month. After that, the tender will be issued.

A large loan has been sought from the World Bank for the Old Gurugram Metro Project. Gurugram Metro Rail Limited (GMRL) has sought a loan from the World Bank for the construction of the Old Gurugram Metro Project. Last week, the tender documents for the second phase were submitted to the World Bank. Approval from the World Bank is expected to take about a month. After that, the tender will be issued.

This will be the route in the first phase: The Old Gurugram Metro Project is approximately 28.5 km long. In September last year, GMRA issued the tender for the first phase of this project, costing approximately 1,277 crore. The first phase involves the construction of a metro route from Millennium City Centre Metro Station to Sector 9. The second phase involves the construction of a metro route from Sector 9 to DLF Cyber ??City. The third phase involves the construction of a metro depot in Sector 33. Sources say GMRL has sought a loan of approximately ?2,880 crore from the World Bank for this project.

Railway Station Will Not Be Connected to the Metro: GMRL had included the plan to construct a metro route from Sector 5 to the railway station in the Old Gurugram Metro Project. Sources stated that a survey for this two-kilometer-long metro route has not yet been conducted. Consequently, if this route is included in the project, obtaining a loan from the World Bank will be delayed.

INS Anjadeep is very dangerous, India's enemy will be nowhere in the water; Navy's strength increases

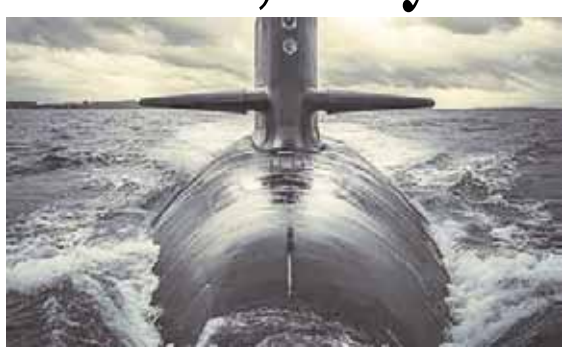

New Delhi, Agency: Anjadeep is named after Anjadeep Island, located off the Karwar coast of Karnataka. This name also revives the memory of the earlier Petya-class warship INS Anjadeep, which was decommissioned in 2003.

The Indian Navy is rapidly progressing towards becoming fully self-reliant by 2047. New indigenous ships are being inducted into the Navy one after another. In this series, on February 27, the indigenous anti-submarine warfare shallow water craft (ASW) INS Anjadeep will join the Indian Navy's fleet. Its speciality is that it can track and destroy enemy submarines both on the surface and in the depths of the sea. It will be officially commissioned into the Navy at the Chennai Port in the presence of Navy Chief Admiral Dinesh K. Tripathi. The first three anti-submarine warfare (ASW) warships (INS Arnala, INS Andrott, and INS Mahe) have been inducted into the Navy.

Why is this warship special? INS Anjadeep can be used for both offensive and defensive operations. It is equipped with anti-submarine rocket launchers, lightweight torpedoes, 30-millimeter naval guns, ASW combat suites, hull-mounted sonar, and low-frequency variable depth sonar. It can travel at a speed of 25 knots per hour and has a range of approximately 3,300 kilometers at a time. It is capable of detecting enemy submarines at a distance of 100 to 150 nautical miles from the coast. The 77-meter-long INS Anjadeep is capable of detecting and destroying any submarine operating in areas with a depth of 30-40 meters. This warship will also play a vital role in securing sea lanes for larger warships.

80 Percent Indigenous Materials Used This ship was built by Garden Reach Shipbuilders and Engineers Limited (GRSE). It was developed entirely in India and utilizes 80 percent indigenous materials. It was built under the Indian Navy's Anti-Submarine Warfare (ASW) Shallow Water Warship Project, which consists of 16 ships. This is the third ship in this series.

Named after the Island: Anjdeep is named after Anjdeep Island, located off the Karwar coast of Karnataka. The name also evokes the memory of the earlier Petya-class warship, INS Anjdeep, which was decommissioned in 2003. Pakistan is Enhancing Naval Strength with Chinese Assistance

Pakistan is expanding its submarine fleet with Chinese assistance. Pakistan has purchased a total of eight Hangor-class submarines from China. To counter these submarines, the Indian Navy has accelerated work on the Anti-Submarine Warfare (ASW) Shallow

An international theme-based residential township will be developed on 100 acres near Jewar Airport

New Delhi, Agency: An international theme-based residential township will be developed on 100 acres near Jewar Airport in Uttar Pradesh. The project will involve an investment of 3,500 crore. Work is expected to begin by next year.

An international theme-based residential township will be developed on 100 acres near Jewar Airport in Uttar Pradesh. An international theme-based residential township will be developed on 100 acres near Jewar Airport in Uttar Pradesh.

The project will involve an investment of 3,500 crore. Work is expected to begin by next year. On Monday, during Chief Minister Yogi Adityanath's visit to Singapore, Universal Success Group signed three MoUs to invest 6,650 crore in the state. Two of these projects will be developed in Yamuna City in Gautam Buddha Nagar district and Noida-Greater Noida. Under the first project, a residential township will be developed in the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) area. This will be a large group housing project, providing housing in multi-story buildings. It is claimed that its implementation will provide employment to approximately 12,000 people. Following the signing of the MoU, YEIDA officials have begun developing a plan to address land availability and other issues.

Singapore City Also Proposed: Singapore City is also proposed on approximately 500 acres in Sector 7 of Yamuna City. The authority's officials recently sent a formal proposal to Chief Minister Yogi Adityanath. This gift, received on the first day of his visit to Singapore, will give a new identity to the rapidly developing urban area around the airport. This agreement has now paved the way for the development of Singapore City in the city.

Logistics Park: Universal Success Group Additionally, a logistics park will be developed on 50 acres of land on the Kanpur-Lucknow Highway. This project is proposed to involve an investment of ?650 crore and is expected to generate approximately 7,500 jobs. This is also planned to be operational in 2027.

A man's body was found inside a car in a mall parking lot in Delhi; police are investigating

New Delhi, Agency: The discovery of a man's body inside a car in the basement of a mall in Mayur Vihar, Delhi, has caused a stir. The incident occurred in the basement parking lot of Star City Mall in Mayur Vihar. Police arrived at the scene, took possession of the body, and sent it for a post-mortem.

The post-mortem will determine whether the driver committed suicide or died of suffocation. Preliminary information suggests the man died of a heart stroke. The man has been identified as 42-year-old Narendra, a resident of Noida.

Earlier, a speeding Scorpio SUV collided with a van near Sector 82, Noida, in Gautam Buddha Nagar district, early Sunday morning. One woman was killed and four others were injured in the accident. Noida Sector-39 police station in-charge Inspector DP Shukla said that a Maruti Eco van was hit by a speeding Scorpio SUV around 4 am on Sunday.

You'll soon have the opportunity to build a home in Yamuna City; find out when the scheme will launch

New Delhi, Agency: A scheme for 973 residential plots will be launched near the Noida International Airport. The UP RERA has approved the scheme after objections were resolved. The scheme is expected to launch this month. A scheme for 973 residential plots is proposed in Sector 15-C, Sector 18, and Sector 24-A of Yamuna City. A scheme for 973 residential plots will be launched near the Noida International Airport. The UP RERA has approved the scheme after objections were resolved. The scheme is expected to launch this month. A scheme for 973 residential plots is proposed in Sector 15-C, Sector 18, and Sector 24-A of Yamuna City. The maximum 965 plots will be 150 to 200 square meters. Additionally, there are six plots ranging from 200 to 250 square meters and two plots ranging from 250 to 500 square meters. This proposal was submitted to the UP RERA two months ago. RERA had imposed conditions on the plan, including a lump sum payment and a lease agreement, which YEIDA has now accepted. Consequently, it is believed that the residential plot scheme will commence soon. Officials with the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) say they plan to launch the scheme this month or in the first week of March.

Many companies will enter the medical device park: Applications for 22 plots of up to 8,000 square meters in the Medical Device Park will be available until February 28th. New companies will be able to occupy all these plots in Sector 28 by next month. The YEIDA team recently participated in an event in Dubai to promote investment in medical devices. YEIDA CEO RK Singh says that the city is gradually taking shape. Therefore, efforts are being made to provide all kinds of amenities in Yamuna City.

Hotels and hospitals will also be open: Yamuna City also offers opportunities to build hotels, shops, industries, nursery schools, and crèches. The application deadline has been extended. A YEIDA official stated that a plan for 10 plots of land in Sectors 28 and 29 for four- and five-star hotels was launched on January 28th. The application deadline has been extended to February 28th. Additionally, a plan for eight plots in Sector 22A for commercial footprints and 10 plots in Sectors 18 and 20 for shops has also been announced. Applications for the plot scheme for five hospitals in Sectors 22E, 20, and 18 can be submitted until February 25th.

Play schools will also open: YEIDA has launched a plan for three plots of land each for nursery schools and crèches in Sectors 17, 22D, and 18. Applications for these plots can be submitted until March 5th. All plots are located in residential areas, where the population is rapidly increasing. More than 1,100 houses have been completed in the residential sectors, but the city lacks schools for children. Play schools will be available for young children.